राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एक्शन इंडिया
वर्षः 14 अंकः 119 पृष्ठः 08
RNI : UTTHIN/2009/31653
actionindiaddn@gmail.com
उत्तराखण्ड संस्करण
दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड
RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

सूडान से निकाले जा रहे हमारे वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान।" ट्वीट की गई फोटो में सेना के जवान वरिष्ठ नागरिकों को व्हीलचेयर पर ले जाते नजर आ रहे हैं।

ऑपरेशन कावेरीः परेशानी आने पर सिर्फ मोदी और इंडिया कहना ही काफी होता था...

टीम एक्श इंडिया/जौनपुर

हिंसाग्रस्त सूडान के खारतून और शोभा में फंसे यूपी के जौनपुर जिले के दो लोग रविवार को सकुशल घर पहुंचे। इस दौरान परिजनों ने केंद्र व राज्य सरकार के प्रति आभार जताया। इनके लौटने पर परिवार में लोगों में खुशी का माहौल है। बक्शा क्षेत्र के दरियावगंज गांव निवासी राजेश कुमार सिंह रविवार को सकुशल दिल्ली से घर पहुंच गए। मां, पत्नी सुनीता व बच्चों को देख उनके खुशी के आंसू छलक पड़े। राजेश ने सूडान का हाल बताया तो लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। राजेश ने बताया कि शनिवार सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही सरकारी साधन से उत्तर प्रदेश भवन ले जाया गया। जहां पहुंचने पर स्वागत हुआ। चाय, पानी व स्नान के बाद भोजन मिला। कार से छह लोगों में दो को कानपुर, एक को ढकवा में उतार मुझे घर तक सकुशल छोड़ा गया।

बिना नहाए खाए कई दिन रहना पड़ाः राजेश ने खारतून का हालात बयां करते हुए बताया कि जैसे सड़क पर कुत्तों को रौंदते हुए वाहन निकल जाते हैं वही हाल वहां आम आदमियों का हो चुका है। कितने दिन बिना नहाए खाए रहना पड़ा। बारूद के धुएं से आंख में जलन से लोगों का बुरा हाल हो रहा है। मौत को प्रत्यक्ष देख बचने की आस छोड़ राजेश घर भी

बात करने का प्रयास कम कर रहे थे। राजेश ने बताया कि वहां बिजली व इंटरनेट व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। खाने के लाले पड़ गए थे। रास्ते में जहां दिक्कतें हुई सिर्फ मोदी और इंडिया कहना ही काफी होता था। सरकार के ऑपरेशन कावेरी के तहत भारी सुरक्षा के तहत पानी के जहाज से सऊदी के जेद्दा एयरपोर्ट पहुंचाया गया। किसी की जेब में एक रुपये भी नहीं था। वृद्ध मां चंद्रावती सिंह बेटे को सामने पाकर जहां बेहद खुश दिखी, वहीं पत्नी सुनीता सिंह के खुशी के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। पुत्री ज्योति, बेटा वीरू सिंह, गोलू सिंह व भाई-भाभी राजेश को सकुशल घर वापसी पर बेहद खुश नजर आए।

आपबीती

= रास्ते में जहां दिक्कतें हुई सिर्फ मोदी और इंडिया कहना ही काफी होता था। पानी के जहाज से सऊदी के जेद्दा एयरपोर्ट पहुंचाया गया

बीते अगस्त में सूडान गए थे

राकेशः सूडान में फंसे क्षेत्र के गैरवाह निवासी राकेश कुमार भी रविवार को सकुशल घर लौट आए। राकेश बीते अगस्त में सूडान के शोभा शहर में प्लंबर का काम करते थे। राकेश बताते हैं कि शोभा में हालात खारतून जैसे तो नहीं थे, लेकिन रोजाना उड़ रही अफवाहों से डर का माहौल पैदा हो गया था।

सरकार के ऑपरेशन कावेरी शुरू करने के बाद तमाम लोगों को कंपनी की बस से पहले फौज के एयरबेस पर पहुंचाया गया। वहां से फिर सऊदी अरब के जेद्दा एयरपोर्ट लाया गया। इसके बाद वहां से दिल्ली और फिर घर तक पहुंचाया गया।

आनंद मोहन की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

टीम एक्शन इंडिया/पटना

बिहार के बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। डीएम जी कृष्णैया की हत्या में दोषी आनंद मोहन की रिहाई मामले में 8 मई को सुनवाई होगी। 29 अप्रैल को डीएम जी कृष्णैया की पत्नी उमा देवी ने पूर्व सांसद की रिहाई को चुनौती दी थी। उनकी ओर से दायर याचिका में आनंद मोहन को फिर से जेल भेजने की मांग की गई थी। बिहार सरकार ने जेल मैनुअल में बदलाव किया था, इसके बाद आनंद मोहन सिंह गुरुवार (27 अप्रैल) सुबह 6.15 बजे सहरसा जेल से रिहा हुए थे। जी कृष्णैया की पत्नी उमा सदमे में हैं। वह कहती हैं- ऐसा वोट बैंक की राजनीति के लिए किया जा रहा है।

कर्नाटक में भाजपा का घोषणा पत्र जारी

टीम एक्शन इंडिया/बेंगलुरु

कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को अपना घोषणा पत्र 'प्रजा ध्वनि' जारी किया। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बेंगलुरु में इसे जारी किया। घोषणा पत्र में पार्टी ने यूनिफॉर्म सिविल कोड का वादा किया है। साथ ही इढछ परिवार को रोज आधा किलो नंदिनी दूध और 3 रसोई गैस सिलेंडर युगदी, गणेश चतुर्थी और दीपावली पर मुफ्त देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घोषणापत्र को डेवलपमेंट सेंट्रिक यानी विकास पर केंद्रित बताया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार सालों में कर्नाटक भाजपा सरकार ने प्रदेश में जो अच्छे काम करवाए हैं, इस घोषणापत्र से उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा तय होगी। यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) का मतलब है- भारत के हर नागरिक के लिए एक समान कानून, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो।

सीरिया में मारा गया आईएसआईएस चीफ अबु हुसैन अल कुरैशी

सीरियाः तुर्किये की इंटेलिजेंस एजेंसी ने सीरिया में चलाए एक ऑपरेशन में आतंकी संगठन आईएसआईएस के चीफ अबु हुसैन अल कुरैशी को मार गिराया। इसकी जानकारी खुद तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने दी है। एक इंटरव्यू के दौरान एर्दोगन ने बताया कि इंटेलिजेंस एजेंसियां काफी समय से कुरैशी को खोज रही थी। सीरिया के सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक इस ऑपरेशन जंदारिस कस्बे में अंजाम दिया गया। जिस पर तुर्किये के समर्थन वाले विद्रोहियों का कब्जा है। अबु हुसैन अल कुरैशी को पिछले साल 30 नवंबर को क्ख्क्ख् का सरगना बनाया गया था। जिंदारिस के लोगों ने बताया कि तुर्किये की इंटेलिजेंस एजेंसी ने देर रात एक बंजर जमीन पर बने मदरसे में ऑपरेशन चलाया था। लड़ाई करीब एक घंटे तक चली, जिसके बाद तेज धमाके की आवाज आई थी।

14 मोबाइल ऐप्स पर लगा बैन

जम्मू-कश्मीर में आतंकी पाकिस्तान मैसेज भेजने के लिए कर रहे थे इनका इस्तेमाल

डिजिटल स्ट्राइक

= एजेंसियां आतंकियों के आपस में कम्युनिकेशन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चैनलों पर नजर रखती हैं

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

भारत सरकार 14 मोबाइल एप्लिकेशन ब्लॉक करने जा रही है। पाकिस्तान में छिपे आतंकी इन ऐप्स का इस्तेमाल कश्मीर में अपने सपोर्टर्स और ऑन-ग्राउंड वर्कर के साथ कम्युनिकेशन के लिए कर रहे थे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है। केंद्र जिन ऐप्स पर बैन लगा रही है उनमें क्रीपवाइजर, एनिग्मा, सेफस्विस, विकरमे, ब्रायर, बीचैट, मीडियाफायर, नंदबॉक्स, कॉनियन, आईएमओ, एलिमेंट, सेकेंड लाइन, जांगी और थ्रेमा शामिल हैं। इसमें से कुछ ऐप्स गूगल प्लेस्टोर पर भी मौजूद है।

यूजर्स की पहचान को गुमनाम रखते थे ऐप्सः एजेंसियां आतंकियों के आपस में कम्युनिकेशन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चैनलों पर नजर रखती हैं। एक बातचीत को ट्रैक करते समय एजेंसियों को ऐसे ऐप्स के बारे में पता चला। इनमें से ज्यादातर ऐप्स को यूजर्स को गुमनामी (एनॉनिमिटी) देने के लिए डिजाइन किया गया था। इनके फीचर्स की वजह से एजेंसियों को इन यूजर्स तक पहुंचने में मुश्किल हो रही थी। एजेंसियों ने कई मौकों पर ऐप मैनेजमेंट से संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन भारत में इसका कोई ऑफिस नहीं था। एक इन ऐप्स को आईटी एक्ट 2000 के सेक्शन 69ए के तहत ब्लॉक किया गया है।

फरवरी में 232 चीनी ऐप्स किए थे बैनः इससे पहले फरवरी में केंद्र सरकार ने 232 मोबाइल ऐप्स ब्लॉक किए थे। इसमें 138 ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले और 94 लोन देने वाले ऐप्स शामिल थे। ये ऐप्स लोगों को लोन लेने और सट्टा खेलकर लाखों जीतने का लालच देते हैं। बाद में कर्ज न चुका पाने पर उन्हें भद्दे मैसेज भेजते थे। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे सेना के ट्रक पर आतंकियों ने फायरिंग की। इसके बाद ट्रक में आग लग गई।

राजद्रोह कानून में बदलाव पर फैसले के लिए केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से मांगा समय

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

राजद्रोह कानून में बदलाव पर फैसले के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से समय मांगा है। अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि संसद के मानसून सत्र में विधेयक पेश किया जा सकता है। केंद्र सरकार की इस सूचना के बाद चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई अगस्त के दूसरे हफ्ते के लिए टाल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि अंतरिम आदेश अभी लागू रहेगा। इस तरह भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए के तहत एफआईआर पर रोक जारी रहेगी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायण ने कहा कि इस मामले को सात जजों की बेंच के पास जाना चाहिए, क्योंकि बहुत सारे फैसले हैं, जिन पर गौर करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने 6 फरवरी को कहा था कि वो राजद्रोह कानून की समीक्षा कर रही है। 11 मई, 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह के कानून पर केंद्र को कानून की समीक्षा की अनुमति दे दी थी। तत्कालीन चीफ जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली बेंच ने राजद्रोह के तहत फिलहाल नए केस दर्ज करने पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर किसी पर केस दर्ज हो तो निचली अदालत से राहत की मांग करे। कोर्ट ने लंबित मामलों में कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया था।

कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को अपना घोषणा पत्र 'प्रजा ध्वनि' जारी किया। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बेंगलुरु में इसे जारी किया।

छत्तीसगढ़ सरकार की नौकरियों में 58 फीसदी आरक्षण जारी रहेगा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ सरकार को अंतरिम राहत मिल गई है। राज्य सरकार की नौकरियों में 58 फीसदी आरक्षण फिलहाल जारी रहेगा। सितंबर 2022 में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने इसे 50 फीसदी की सीमा के परे बताते हुए रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील को सुनते हुए हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। 18 जुलाई को अगली सुनवाई होगी। 2011 में पास कानून में छत्तीसगढ़ में 32 फीसदी एसटी , 12 फीसदी एससी और 14 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया था।

असम में 300 शराबी पुलिसकर्मियों को रिटायर्ड किया

टीम एक्शन इंडिया/गुवाहाटी

असम की सरकार शराब पीने के आदी 300 पुलिसकर्मियों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) का विकल्प देने जा रही है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 30 अप्रैल को कहा कि इन पुलिसकर्मियों को शराब की लत है। इस वजह से वे अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी से नहीं कर पाते हैं। शराब पीने की वजह से उनका शरीर भी कमजोर हो गया है। लोगों ने इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ गंभीर शिकायतें भी की हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस विभाग में 300 अधिकारी और कर्मचारी शराब पीने के आदी हैं। ऐसे कर्मचारियों को पहले से ही श्क्र देने का नियम है, लेकिन इसे कभी लागू नहीं किया गया।

वीआरएस

= मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 30 अप्रैल को कहा कि इन पुलिसकर्मियों को शराब की लत है

शादीशुदा होने की जानकारी देकर लिव-इन में रहना धोखा नहीं

टीम एक्शन इंडिया/कलकत्ता

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति लिव-इन रिलेशनशिप में आने से पहले अपनी शादी और बच्चों के बारे में अपने पार्टनर को बता चुका है, तो इसे धोखेबाजी नहीं कहा जाएगा। इस फैसले के साथ कोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें कोर्ट ने एक होटल एग्जीक्यूटिव पर अपनी लिव-इन पार्टनर को धोखा देने के आरोप में 10 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया था।

इस शख्स ने अपनी 11 महीने की लिव-इन पार्टनर के साथ शादी से इनकार करते हुए ब्रेकअप कर लिया था। मामला 2015 का है। महिला ने कोलकाता के प्रगति मैदान पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई थी।

पहलवानों के धरने में पहुंचे नवजोत सिंह सिद्धू

टीम एक्शन इंडिया/अमृतसर

डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर में चल रहे धरने में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के बाद पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू भी पहुंचे। जंतर-मंतर पर पहुंचते ही सबसे पहले वह पहलवानों के बीच बैठे और उनसे बातचीत की। इस दौरान सिद्धू ने कहा- यह जानना कि क्या सही है और क्या नहीं करना सबसे बड़ी कायरता है। एफआईआर में देरी क्यों हुई? प्राथमिकी को सार्वजनिक न करना यह दशार्ता है कि एफआईआर हल्की है और शिकायतकर्ता की शिकायत की पुष्टि नहीं करती है। मंशा संदिग्ध है और मकसद अभियुक्तों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज केस गैर जमानती है। अब तक गिरफ्तारी क्यों नहीं?

अहम फैसलाः सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के आधार तय किए

सुलह की गुंजाइश नहीं बची, तो सुप्रीम कोर्ट तलाक मंजूर करेगा, पति-पत्नी को नहीं करना होगा 6 महीने का इंतजार

टीम एक्श इंडिया/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने सोमवार को तलाक को लेकर अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा है कि अगर पति-पत्नी के रिश्ते टूट चुके हों और सुलह की गुंजाइश ही न बची हो, तो वह भारत के संविधान के आर्टिकल 142 के तहत बिना फैमिली कोर्ट भेजे तलाक को मंजूरी दे सकता है। इसके लिए 6 महीने का इंतजार अनिवार्य नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि उसने वे फैक्टर्स तय किए हैं जिनके आधार पर शादी को सुलह की संभावना से परे माना जा सकेगा। इसके साथ ही कोर्ट यह भी सुनिश्चित करेगा कि

पति-पत्नी के बीच बराबरी कैसे रहेगी। इसमें मेंटेनेंस, एलिमनी और बच्चों की कस्टडी शामिल है। यह फैसला जस्टिस एसके कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एएस ओका और जस्टिस जेके माहेश्वरी की संविधान पीठ ने सुनाया।

संविधान पीठ को ये मामला क्यों भेजा गया थाः इस मुद्दे को एक संविधान पीठ को यह विचार करने के लिए भेजा गया था कि क्या हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13बी के तहत आपसी सहमति से तलाक की प्रतीक्षा अवधि (वेटिंग पीरियड) को माफ किया जा सकता है। हालांकि, खंडपीठ ने यह भी विचार करने का फैसला किया कि क्या शादी के सुलह की गुंजाइश ही ना बची हो तो विवाह को खत्म किया जा सकता है। यह मामला डिवीजन बेंच ने 29 जून 2016 को यह मामला पांच जजों की संविधान पीठ को रेफर किया था।

झटपट मिलेगा तलाक

= तो वह भारत के संविधान के आर्टिकल 142 के तहत बिना फैमिली कोर्ट भेजे तलाक को मंजूरी दे सकता है

अप्रैल 2023 में बना जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड

नई दिल्लीः सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड बनाया है। अप्रैल 2023 में सरकार ने जीएसटी से 1.87 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। इससे पहले सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन पिछले साल अप्रैल में हुआ था। तब जीएसटी से 1.67 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे। यानी इस साल अप्रैल में सरकार ने पिछले साल की तुलना में 12% ज्यादा जीएसटी जुटाया है। अप्रैल के कुल जीएसटी कलेक्शन में जीएसटी 38,440 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 47,412 करोड़ रुपए, IGST 89,158 करोड़ रुपए और सेस 12,025 करोड़ रुपए रहा।

रणनीति तैयार हर 2 किमी पर मिलिट्री पुलिस के चैकपोस्ट होंगे, रोड ओपनिंग क्लीयरेंस बिना नहीं जाएंगी सैनिकों की गाड़ियां

पुंछ आतंकी हमले के बाद सैन्य सुरक्षा बढ़ी

टीम एक्शन इंडिया/श्रीनगर

पुंछ आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सैन्य सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। सेना के पीआरओ ले. कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया कि आतंकी हमलों को रोकने और विफल करने के लिए कड़ी रणनीति तैयार की गई है। सूत्रों के अनुसार रोड ओपनिंग पार्टियों के क्लीयरेंस के बिना सेना के वाहनों का मूवमेंट नहीं होगा। इसका सख्ती से पालन किया जाएगा। वहीं सैन्य वाहनों के मूवमेंट के दौरान हर दो से तीन किलोमीटर की दूरी पर मिलिट्री चैकपोस्ट बनाए जाएंगे। गौरतलब है कि 20 अप्रैल को पुंछ के भट्टा दूरियां में आतंकी हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे।

अब तक 225 से पूछताछ, मदरसे का मौलवी गिरफ्तारः पुंछ आतंकवादी हमले के सिलसिले में अब तक 225 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई है और 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि आरोपियों में से एक की पहचान निसार अहमद के रूप में हुई है, जिसने कबूल किया है कि वह और उसका परिवार हमले में शामिल थे। ये लोग पिछले 2-3 महीनों से आतंकवादियों की मदद कर रहे थे। हमले के लिए पाकिस्तान से भेजा गया गोला-बारूद और ग्रेनेड भी इन लोगों ने ही दिया था। उधर, कश्मीर पुलिस के एसओजी ने पुंछ हमले में जम्मू के बटहिंडी से एक मदरसे के मौलवी को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार इस मौलवी के पाकिस्तान के आतंकियों से लिंक पाए गए हैं। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हुए आतंकी हमले मामले में 25 अप्रैल को पूछताछ के बाद एक शख्स ने घर जाकर जहर खा लिया, गुरुवार को मौत हो गई। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि मुख्तार हुसैन शाह मामले में संदिग्ध नहीं था।

धार्मिक प्रतीकों के इस्तेमाल पर दलों की मान्यता रद्द करने की मांग

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अपने नाम में धार्मिक शब्दों और प्रतीकों के इस्तेमाल करने वाले राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमआर शाह की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि ऐसी ही याचिका दिल्ली हाई कोर्ट में लंबित है। दरअसल, 20 मार्च को सुनवाई के दौरान एआईएमआईएम के वकील केके वेणुगोपाल ने कहा था कि याचिका में बस एआईएमआईएम और मुस्लिम लीग को पक्ष बनाया है।

हाईकोर्ट ने वक्फ बोर्ड की याचिका लौटाई

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को मथुरा के शाही ईदगाह ट्रस्ट और यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की याचिका को वापस कर दिया है। जस्टिस प्रकाश पडिया की अदालत ने मथुरा के जिला जज को पूरे मामले की नए सिरे से सुनवाई के आदेश दिए। कोर्ट ने शाही ईदगाह ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और भगवान श्रीकृष्ण विराजमान मामले पर बहस पूरी होने के बाद फैसला 17 अप्रैल को सुरक्षित कर लिया था। इसके बाद फैसला 24 अप्रैल को आना था, लेकिन उस दिन भी अगली डेट 1 मई लग गई। श्री कृष्ण जन्मस्थान शाही ईदगाह मामले में सबसे पहले सितंबर 2020 में श्री कृष्ण

विराजमान की तरफ से भगवान श्री कृष्ण की सखी के तौर पर सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री ने हरी शंकर जैन, विष्णु जैन, करुणेश शुक्ला के साथ मथुरा सिविल कोर्ट में वाद दाखिल किया था। यह वाद सिविल कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके बाद श्री कृष्ण विराजमान ने जिला जज की अदालत में रिवीजन वाद दाखिल किया। इस पर सुनवाई करते हुए जिला जज की अदालत ने वाद को स्वीकार किया और इसे सिविल कोर्ट में सुनवाई के लिए कहा। इसके बाद जुलाई 2022 में मुस्लिम पक्ष ने इस वाद को खारिज करने की मांग करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की।

राजकीय स्कूल में लगी मनोहर की पाठशाला

जन संवाद कार्यक्रम के दौरान अचानक गांव के राजकीय विद्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर

8 अचानक एक स्कूल में पहुंचकर जब बच्चों से सवाल किए तो स्कूल का हर बच्चा मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर उत्साह से भर गया

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र/शाहबाद (दलबीर मलिक)
कुरुक्षेत्र जिला के तंगौर गांव के राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए नियमित तौर पर विद्यालय की कक्षाएं चल रही थी लेकिन विद्यालय में सोमवार की दोपहर को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दस्तक देते हुए मनोहर की पाठशाला का स्वरूप स्कूल को दे दिया। एकाएक स्कूल में पहुंचे मुख्यमंत्री को देखकर विद्यार्थियों में उत्सुकता का माहौल बन गया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने कुरुक्षेत्र जिले के जनसंवाद के पहले दिन अचानक एक स्कूल में पहुंचकर जब बच्चों से सवाल किए तो स्कूल का हर बच्चा मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर उत्साह से भर गया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल कुरुक्षेत्र जिले के अपने जनसंवाद कार्यक्रम के तहत झांसा से नलवी की तरफ जा रहे थे तो एकाएक उनका काफिला रास्ते में तंगौर गांव के राजकीय स्कूल की तरफ मुड़ गया। मुख्यमंत्री ने स्कूल के कक्षाओं में पहुंचकर विभिन्न विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल बच्चों से उनके विषय के सामान्य प्रश्न पूछे बल्कि स्कूल की शिक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। अचानक अपने स्कूल में मुख्यमंत्री को पाकर छोटे-छोटे बच्चे भी पूरे उत्साह में दिखे। मुख्यमंत्री ने कक्षा में मौजूद बेटियों से गणित के सामान्य प्रश्न भी पूछे, इसके साथ ही देशभक्ति के नारे भी बच्चों के साथ मुख्यमंत्री ने जब लगाए तो गणित के पहाड़ों और स्कूली शिक्षा की आवाज के बीच स्कूल में भारत माता की जय के नारे सुनाई दिए। इसी बीच मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बच्चों से बात करने के अलावा स्कूल के अध्यापकों से वहां की शिक्षा व्यवस्था के विषय में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्कूल में शिक्षा प्रबंधन और स्वच्छता अभियान के विषय में भी अध्यापकों से पूछा। मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनके भविष्य की योजनाओं के विषय में भी सवाल किया और सभी को उनके सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दी।

हरियाणा सरकार का उद्देश्य नागरिकों को स्वाभिमानी बनाना है: मनोहर लाल
ने कहा कि परिवार पहचान पत्र के लागू होने से प्रदेश में साढ़े 12 लाख नए बीपीएल कार्ड बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का एक ही उद्देश्य है कि गरीब का भला कैसे हो। आज के समय में मुफ्त बांटने वाले बहुत लोग आ रहे हैं, लेकिन हरियाणा सरकार का उद्देश्य आमदनी बढ़ाना है, ताकि हर नागरिक स्वाभिमानी बनें। आमदनी बढ़ने से पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी होगी और आय के स्रोत बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसे परिवारों को चिन्हित किया गया है, जिनकी आय 1 लाख रुपये से भी कम है। इनमें से 36 हजार परिवारों को स्व रोजगार के लिए ऋण मुहैया करवाया गया है।
इसके अलावा, उनकी स्किलिंग भी करवाई जा रही है ताकि वह किसी भी हुनर में दक्षता हासिल कर सकें। यही नहीं, गत दिवस निजी क्षेत्र में 6 हजार नौकरियों के लिए एचकेआरएनएल पोर्टल के माध्यम से युवाओं को इंटरव्यू के लिए ऑफर भेजे गए हैं।

मुख्यमंत्री ने गाड़ी रुकवाकर किसानों से की बातचीत: मुख्यमंत्री ने जन संवाद कार्यक्रम से पहले रास्ते में गाड़ी रुकवाकर सूरजमुखी की खेती करने वाले किसानों का हाल-चाल जाना और उनकी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली।

अस्पताल में नही हैं खाँसी-जुकाम की भी दवाईयां

खरखौदा/सोनीपत- सोमपाल सैनी
सोमवार को विधायक जयवीर सिंह ने किया सिविल हस्पताल खरखौदा का औचक निरीक्षण किया। जनता की तरफ से शिकायत मिलने पर विधायक जयवीर वाल्मीकि सिविल हस्पताल खरखौदा का निरीक्षण करने पहुँचे। खरखौदा विधायक जयवीर सिंह ने बताया कि आज के औचक निरीक्षण में अस्पताल में कोई दवाई नही मिली। निरीक्षण में उन्होंने पाया कि खरखौदा के सरकारी अस्पताल में खाँसी जुकाम की दवाइयाँ भी उपलब्ध नही है। इसके साथ ही रोजाना दैनिक मरीजों के लिए उपयोग में लाई जाने वाली दवाइयां भी नही है। विधायक जयवीर ने कहा कि सरकार का यहाँ के नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति सरकार का कोई भी ध्यान नही है। ये दवाइयां नही हैं उपलब्ध पट्टी, इंजेक्शन लगाने के लिए 5 एमएल और 2 एमएल की सीरिंज, टेटन्स का इंजेक्शन , ग्लूकोज की बोटल, रुई का बंडल, नॉर्मल सलाईन (ग्लूकोज का एक प्रकार), डीक्लोफिनेक (दर्द का इंजेक्शन), मेट्रोनिडा जेल, रुई के फोहे, डिक्लोफिनेक की टैबलेट (दर्द निवारण के लिए), सिट्राजीन (एलर्जी और जुकाम के लिए), रेन्टीडीन (गैस और उल्टी की दवा), एजिथ्रोमाईसिन (गला खराब होने पर), एंटी रैबीज वैक्सीन(कुत्ते के काटने पर), कफ सिरफ(खाँसी की दवाई), डिक्लोजेल(कमर दर्द व मोच में मालिश करने के लिए) और लिग्नोकेन एड्रिनालीन(चोट आने पर टाँके व चीरा लगाने हेतु सुन्न करने की दवाई)।

अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति का धरना 90वें दिन में भी जारी

टीम एक्शन इंडिया / संजय शर्मा
नारनौल। मण्डी अटेली अण्डरपास निर्माण संघर्ष समिति का धरना आज 90 वें दिन में प्रवेश कर गया। आज की धरने की अध्यक्षता मण्डी अटेली के पूर्व पार्षद बाबूलाल जांगड़ा ने की तथा संचालन डॉ राजेन्द्र प्रसाद खरब तोबड़ा ने किया। सोमवार को धरने को सम्बोधित करते हुए डॉ राजेन्द्र प्रसाद खरब तोबड़ा ने कहा कि इस अण्डरपास में पहले ही बहुत विलम्ब हो चुका है। यह अण्डरपास तो चार साल पहले ही बन जाना चाहिए था, अण्डरपास की सारी सामग्री तैयार थी, अटेली के नागरिकों को लगने लगा था कि अण्डरपास का निर्माण कार्य शुरू होगा, लेकिन अटेली के नागरिकों को तब निराशा हुई जब इस अण्डरपास कार्य योजना को ठण्डे बस्ते में डाल दिया। अटेली के जागरूक नागरिकों ने मजबूर होकर गत एक फरवरी से अण्डरपास निर्माण की मांग को लेकर धरने पर बैठ हुए हैं,जिसे अब तीन महिने पूरे होने चुके हैं। आंधी -बारिश ,गर्मी - लू व तूफान से टैन्ट गिरने पर चोटिल होने पर भी धरनार्थियों के हौसले बुलंद हैं। धरने को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। हम लड़ेंगे जीतेंगे की भावना के साथ जनता के भरोसे पर खरा उतरेंगे। संघर्ष समिति का दृढ़ मत है कि निर्माण कार्य शुरू होने तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने उक्त के डीजीएम अनुराग शर्मा उत्तर पश्चिम रेलवे कोरिडोर अधिकारियों को संघर्ष समिति अण्डरपास निर्माण की गुहार लगा चुके हैं। अब बिना देर किए अण्डरपास निर्माण कार्य शुरू किया जाना चाहिए। आज के धरने पर नरेंद्र यादव उर्फ काका जी, विजेन्द्र खरब, बाबू मैनपाल सिंह, लालचंद नानकवास, धनश्याम जांगड़ा, रिटायर्ड हेडमास्टर, प्रभुदयाल बोहरा, मामचंद शर्मा,महावीर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्र की प्रगति के आधार हैं मजदूर : सुधीर जैन

8 ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में सौहार्दपूर्ण भाव से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत, ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस सौहार्दपूर्ण भाव से मनाया गया। विद्यालय में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई । स्कूल के चेयरमैन सुधीर जैन, सीईओ संजय जैन व प्राचार्या गीता चोपड़ा ने कर्मचारियों को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दी । सुधीर जैन ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान है। किसी भी व्यक्ति के कार्य को कमतर नहीं आंका जा सकता। देश का मजदूर वर्ग राष्ट्र की प्रगति के आधार हैं ।
सुधीर जैन ने कहा कि श्रमिक किसी भी देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। श्रमिकों की इस भूमिका को एक पहचान देने और श्रमिक आंदोलनों के गौरवशाली इतिहास को याद करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस (मई दिवस) मनाया जाता है। सीईओ संजय जैन ने कहा कि देश के हर कार्य क्षेत्र में मजदूरों की अहम भूमिका होती है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि किसी भी देश की आर्थिक व्यवस्था मजदूरों के कंधों पर टिकी होती है । स्कूल की प्राचार्या गीता चोपड़ा ने कहा कि हम सभी को मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत और समर्पण का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने स्कूल में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों, गार्डों, ड्राइवर समूह, सफाई कर्मियों, चपरासी और माली का धन्यवाद किया और साथ ही विद्यार्थियों को श्रम की गरिमा को पहचानने के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से श्रमिकों को प्रोत्साहित किया। छात्रों के एक समूह ने श्रमिकों के लिए एक कविता का पाठ भी किया। कार्यक्रम के अंत में नक्श आंतिल, माही, कानन,मयंक, कृष्णा, युक्ति, सुजल,पूर्ति,पूर्वी, पालकी, सेजल, सुजैन,जीविका,जयंत आदि छात्र-छात्राओं ने सम्मान के प्रतीक के रूप में प्रत्येक कर्मचारी को धन्यवाद करते हुए हस्तनिर्मित फूल, चॉकलेट, उपहार व कार्ड भेंट किए।

देश के सम्मान को ठेस पहुंचा रही केंद्र सरकार: लक्ष्मी

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)
भाजपा सरकार केवल खिलाड़ियों का ही नही बल्कि देश का अपमान कर रही है। यह शब्द वरिष्ठ कांग्रेस नेता तथा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मी कान्त शर्मा एडवोकेट ने दिल्ली जंतर मंतर पर पहलवानों के चल रहे धरने के समर्थन में कहे। कांग्रेस नेता जंतर मंतर पहुँच कर पहलवानों संग धरने पर बैठे। उनकी बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक तथा अन्य पहलवानो से बातचीत हुई।उन्होंने कहा की भाजपा सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही जबकि दुनिया भर में देश का नाम रौशन करने वाले पहलवानो को लगातार कभी जाति तो कभी क्षेत्र विशेष के लोग कह कर अपमानित कर रहा है। उन्होंने कहा देश का कानून कहता है की अगर कोई महिला शोषण की शिकायत करती है तुरंत एफ आई आर दर्ज की जाती है मगर मोदी राज में शायद भाजपाईयो के लिए अलग कानून है। आज देश की बेटियां इंसाफ के लिए सड़क पर बैठी हैं और बेटी बचाओ का नारा देने वाले मोदी जी चुपचाप तमाशा देख रहे हैं। जब यही पहलवान देश के लिए मेडल ला रहे थे तब किसी जाति या क्षेत्र विशेष के नही थे मगर आज जब शोषण के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं तो सरकार यही पहलवान एक जाति या क्षेत्र विशेष के नजर आ रहे इससे ज्यादा शर्मनाक बात क्या हो सकती है। उन्होंने कहा की कांग्रेस पार्टी तमाम खिलाड़ियों के सम्मान के लिए उनके साथ खड़ी है और वो खुद भी जंतर मंतर पर धरने पर बैठ कर आए हैं।

अंत्योदय मेले की तैयारियां पूरी

टीम एक्शन इंडिया/नारनौल
मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत 2 से 4 मई तक अटेली के राजकीय महिला कालेज में आयोजित होने वाले अंत्योदय मेले की जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा और खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी सुरजीत सिंह ने आज राजकीय महिला कालेज में पहुंचकर तैयारियां पूरी करवाई। उन्होंने बताया कि 3 दिन तक अटेली में लगने वाले इस अंत्योदय मेले में लाभार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। मेले में नागरिकों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क लगाए गए हैं।

सोनीपत जिले में पुलिस संख्या बढ़ाने की मांग

सोनीपत: मानव अधिकार संरक्षण संघ द्वारा माननीय मुख्यमंत्री, माननीय ग्रह मंत्री हरियाणा सरकार व डी जी पी पुलिस हरियाणा से मांग की है कि सोनीपत जिले में पुलिस की संख्या बढ़ाई जाये, संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन संजय सिंगला व राष्ट्रीय अध्यक्ष जयबीर गहलावत ने कहा की सोनीपत जिले को पुलिस कमीशनरी बनने पर लोगों को उम्मीद बँधी थी की अब पुलिस संख्या बढ़ेगी परन्तु हुआ बिल्कुल उल्टा जिले में पुलिस जाँच अधिकारियों की संख्या घट गई, संघ के जिला अध्यक्ष प्रवीण वर्मा ने बताया की हर थाने में जाँच अधिकारियो की संख्या कम और उनके पास केस ज्यादा होने से आम आदमी न्याय की पहुँच से दूर होता जा रहा है, अत संघ द्वारा सरकार से पुलिस बल की संख्या बढ़ाने की मांग की है

'जब तक मांगे पूरी नहीं करेगी सरकार संघर्ष जारी रखेंगे'

8 पुरजोर समर्थन दिया तथा ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने व,मेडिकल भत्ता 3000 करने आदि की मांग की

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)
ताज पार्क नजदीक नया बस स्टैंड कुरुक्षेत्र में हरियाणा रिटायर कर्मचारी संगठन रजिस्टर्ड 1968 के कर्मचारी व कर्मचारी नेताओं ने हरियाणा कर्मचारी महासंघ द्वारा मनाए जा रहे मजदूर दिवस एवं मांग दिवस के उपलक्ष में पुरजोर समर्थन दिया तथा ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने व,मेडिकल भत्ता 3000 करने तथा एक्स ग्रेशिया नीति को बाहर करने, मेडिकल कैशलेस सुविधा धरातल पर लागू करें, 65-70 75 आयुउपरांत 5 -10- 15 प्रतिशत कि दर से पेंशन में बढ़ोतरी तथा फैमिली पेंशन को एलटीसी सुविधा देना इस अवसर पर बोलते हुए राजपाल गुसर राज्य सचिव , राज्य उपप्रधान प्रेम सिंह बेर थली, जगतार सिंह सोढी ने कहा कि इस अवसर पर सभी कर्मचारी साथी एवं रिटायरमेंट साथी प्रण करें कि अपनी मांगों को लेकर हम हर हद से पार होने को तैयार हैं। इस पर बोलते हुए, जिला प्रधान सुल्तान सिंह तथा जिला महासचिव बरखा राम जासट ,जिला वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्र बारवा, जिला प्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र बधवा ने कहा की इस मजदूर दिवस पर हम अपने कर्मचारियों -रिटायर्ड कर्मचारियोंकी मांगों बनवाने के लिए हर संघर्ष में बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। इस अवसर पर ब्लाक शाहाबाद प्रधान सत्यदेव ,मेहर सिंह खोखर, सचिव रतन जाट बबेन, पहेवाब्लॉकप्रधान काशीराम ,थानेश्वर,ब्लॉक प्रधान सूरजभान उमरी, निर्मल सिंह सिसोदिया, हजारीलाल, शेर सिंह ढांडा, राजकुमार अटवाल, भगतराम, जयराम मौर्य, गुरनाम गुडी, तथा सुरेंद्र शर्मा ,बलवंत सिंह गागट, ज्ञानीराम आमीन इत्यादि नेता मौजूद थे।

मलेरिया रोधी माह बना रहा स्वास्थ्य विभाग, टीमों ने 9246 घरों में जाकर किया सर्वे

विभाग की तरफ से लोगों को जागरूक करने व जांच करने के लिए 178 टीमों का किया गठन

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
जिला स्वास्थ्य विभाग मानसून सत्र से पहले घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने व जांच अभियान चलाने का काम कर रहा है। विभाग की तरफ से शहरी क्षेत्र में घर-घर जाकर करीब 9246 घरों की जांच की। जांच के दौरान विभाग की टीमों की तरफ से लापरवाही मिलने पर लोगों को जागरूक करने के साथ लापरवाही बरतने पर नोटिस देने की बात कही। जांच टीमों की तरफ से 564 रक्त पट्टिकाएं तैयार की हैं। जिसके माध्यम से टीमें समय-समय पर जांच अभियान चलाकर नजर बनाएं हुए है। मानसून आने पर विभाग की तरफ से लोगों को बीमारियों से बचने के लिए अलग-अलग तरीके बताकर जागरूक करने का काम किया जा रहा है। जिला डेंगू व मलेरिया अधिकारी डा. अनविता कौशिक ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मई माह को मलेरिया माह के रूप में मनाया गया। विभाग की तरफ से मलेरिया व डेंगू को लेकर डोर-टू-डोर सर्वे चल रहा है। इस अभियान को लेकर 178 टीमों का गठन किया गया है, जो शहर में सर्वे कर रही है। सोमवार को कुल 9246 घरों में जांच अभियान चलाकर जांच की। एक मई से शुरू हुए सर्वे में एक मकान में लारवा नहीं मिली है। टीमों की तरफ से मलेरिया से बचाव को लेकर 564 ब्लड स्लाइड बनाई। जिन्हें जांच के लिए लैब भेज दिया गया है।

मानसून से पहले सतर्कता जरूरी, हाल के दिनों में बरती जा रही लापरवाही: मिली जानकारी के अनुसार जून माह से मलेरिया के केस मिलने का अंदेशा रहता है। जिसको लेकर विभाग की तरफ से सतर्कता बरते हुए एक मई से ही डेंगू व मलेरिया से बचाव बारे में जागरूक किया जा रहा है। वहीं, डोर-टू-डोर सर्वे के दौरान मच्छर का लारवा मिलने पर नोटिस दिया जायेगा। जहां बुखार से पीड़ित लोग मिलेंगे, उनके सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जायेगा। टीमें घर-घर जाकर लोगों को बीमारियों से बचाव को लेकर जानकारी दे रही है। मानसून के पहले जरूरी दिशा-निर्देशों की पालना करना बेहद आवश्यक होता है। ताकि खुद व बच्चों को बीमारियों से बचाने के काम किया जा सके।
पिछले 6 सालों में जिले में मलेरिया के 31 केस-

साल	केस
2017	13
2018	5
2019	7
2020	1
2021	1
2022	4

विभाग की तरफ से टीमों को गठन किया जा चुका है। जोकि समय-समय पर लोगों को जागरूक करने व जांच अभियान चलाने काम कर रही है। सावधानी बरतने से ही बीमारियों को हराया जा सकता है। समय-समय पर अपने घरों में रखे घमलों, कूलर, टंकी, होदी, ड्रम सहित पानी इक्ट्ठा होने वाले स्थानों पर पानी का बदलाव करें। ताकि मच्छर का लारवा पैदा होने से बचाया जा सके।
डा. अनविता कौशिक, जिला नोडल अधिकारी, सोनीपत।

पंचायती राज संस्थाओं की मतदाता सूचियों का 30 मई को होगा अंतिम प्रकाशन: शांतनु

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)
जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनाव वर्ष 2023 हेतु पहली जनवरी 2023 को अर्हता तिथि मानकर 5 जनवरी 2023 को जारी की गई मतदाता सूचियों को आधार मानकर जिले की सभी ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों में वितरित करने के निर्देश दिए है ताकि इनके आधार पर ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों के मतदाताओं की फोटोयुक्त मतदाता सूचियां तैयार की जा सकें।

उत्तर रेलवे G20
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई-टेण्डर निम्न टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेण्डर संख्या दिनांक	22-DRM-MB-23-24 Date :- 29.04.2023	23-DRM-MB-23-24 Date :- 29.04.2023
कार्य का नाम	सहायक मण्डल अभियंता उ. रे. बरेली के अधीन मुरादाबाद मंडल के मुरादाबाद-बरेली-रोजा सेक्शन में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग के संबंध में एईएल बिल्डिंग, एलसी गेट बिल्डिंग, मौजूदा एस एंड टी बिल्डिंग का विस्तार (17 ऑटो हट बिल्डिंग का निर्माण, 12 एलसी गेट बिल्डिंग, मौजूदा एस एंड टी बिल्डिंग का 3 विस्तार) का कार्य।	सहायक मण्डल अभियंता उ. रे. बरेली के अधीन-04 नंबर स्टोर कम ऑफिस (SSE/Sig/BE-East, West, SEE/Tele/BE और ADSTE/BE- ऑफिस) का निर्माण और 05 नंबर टाइप II क्वार्टर (SAR, DUN, PKRA, CBJ, RYS) का निर्माण और 01 नंबर टाइप-III Qtr MIL में का निर्माण में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग के संबंध में और अन्य विविध कार्य।
टेण्डर क्लोजिंग दिनांक/समय	23.05.2023, 16:00	23.05.2023, 16:00
अनुमानित लागत (रु.)	4,82,35,615.52	2,75,69,877.68
धरोहर राशि (रु.)	3,91,200.00	2,87,900.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	09.05.2023	09.05.2023
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 माह	08 माह

सं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 29.04.2023 1299/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सांसद डा. निशंक के रचना संसार पर संगोष्ठी का राज्यपाल ने किया शुभारंभ

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरिद्वार सांसद डा.रमेश पोखरियाल निशंक के रचना संसार पर परमार्थ निकेतन में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।
सोमवार को परमार्थ निकेतन में संगोष्ठी का शुभारंभ करने के उपरांत प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि भारत की सभ्यता, संस्कृति और साहित्य अद्भुत है। यहां आज एक वर्ल्ड रिकार्ड बनने जा रहा है क्योंकि यहां पर डा. निशंक की

108 रचनाओं का उत्सव है। इतनी पुस्तकों की रचना करना अद्भुत है, यह अपने आप में कीर्तिमान है। भारत की सभ्यता और साहित्य को लिखना अनिवार्य है क्योंकि हम साहित्य के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को दिशा प्रदान कर सकते हैं।राज्यपाल ने कहा कि दो दिन के चिंतन-मंथन से अद्भुत अमृत निकल कर आयेगा। जीवन जो है वह सोच, विचार, और धारणा का समन्वय ही तो है। उन्होंने कहा कि परमार्थ निकेतन आकर जीवन की खोज समाप्त हो जाती है। जीवन का परम अर्थ प्राप्त होता है। शब्द में ही पूरा संसार है। भारत की सभ्यता और ब्रह्मण्ड की उत्पत्ति ओम से हुई। ऊँ में पूरे ब्रह्मण्ड के स्वर समाहित है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी से मैं जब भी मिलता हूं मेरे जीवन की बैटरी चार्ज हो जाती है। ऐसे लगता है कि स्वामी ने पूरी मानवता की जिम्मेदारी ली है। भारत की महान परम्परा हमारे ऋषियों की सोच, विचार और धारणा ही तो है। उन्होंने कहा कि डा. निशंक ने भारत की संस्कृति और सभ्यता को गहराई से जाना और उसे शब्दों में उतारा है।
स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि डा. निशंक का व्यक्तित्व हिमालय की तरह विशाल है और उनकी रचनाएं भी सृजनात्मकता और संवेदनशीलता से युक्त हैं। उनका साहित्य ज्ञानवर्धक और प्रेरणाप्रद है। देश की शान, स्वाभिमान और सम्मान का दीप सभी को अपने हृदय में प्रज्ज्वलित करना होगा। अपने भावों में देश भक्ति के दीपों से सजाने और विश्व तक पहुंचाने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि अपने विचारों में सकारात्मकता बनाए रखें।

डेस्टिनेशन गाइड प्रशिक्षण का शुभारंभ

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
देव संस्कृति विश्वविद्यालय में उत्तराखंड सरकार गढ़वाल विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के साथ-साथ इंटेक संस्थान ने संयुक्त रूप से दस दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इस कार्यशाला में जिले स्तर पर डेस्टिनेशन गाइड के लिए प्रशिक्षण दिये जायेंगे। कार्यशाला में देव संस्कृति विश्वविद्यालय सहित कुल 40 प्रतिभागी एवं 10 शिक्षक शामिल हैं।
कार्यालय के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि गाइड संस्कृति के संवाहक होते हैं। अगर इनका प्रशिक्षण भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक धारा के साथ हो, तो यह भारतीय संस्कृति और धरोहर के संगम हो सकते हैं। उन्होंने उत्तराखंड की पावन भूमि

8 देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि गाइड संस्कृति के संवाहक होते हैं

की पवित्रता एवं आध्यात्मिक सूक्ष्मता पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पर्यटन विभाग की सहायक निदेशिका पूनम पंत ने कहा कि संस्कृति की रक्षा एक कुशल एवं सांस्कृतिक रक्षकों द्वारा हो सकती है। पंत ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय की भूमि और यहां के वातावरण की प्रशंसा की।
जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुरेश चंद्र यादव ने उत्तराखंड पर्यटन पर विस्तार से जानकारी दी।

संक्षिप्त खबरें

हरिद्वार के आकाश बायजू के 4 छात्रों ने जेईई मेन्स 2023 में 99 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए

हरिद्वार। हरिद्वार के आकाश बायजूस के 4 छात्रों ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन 2023 में 99 पर्सेंटाइल और उससे अधिक अंक हासिल कर अपने माता-पिता औरसंस्थान के पूरे स्टाफ को बहुत खुश किया। परिणाम कल राष्ट्रीयपरीक्षण द्वारा घोषित किए गए थे। उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वालों में ईशान जाजोदिया हैं जिन्होंने 99.92, रवित चतरथ ने 99.77, नमन सिंघल ने 99.46, समृद्धि मारवाहा ने 99.04 और इशान ढींगरा ने 98.85 अंकहासिल किए हैं। दुनिया की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षा मानी जाने वाली आईआईटी जेईई को क्रैक करने के लिए छात्र आकाश बायजू के क्लासरूम प्रोग्राममें शामिल हुए। उन्होंने जेईई में टॉप पर्सेंटाइल की एलीट लिस्ट मेंअपने प्रवेश का श्रेय कॉन्सेप्ट को समझने और सीखने केकार्यक्रम का सख्ती से पालन किया । हम आभारी हैं किआकाश बायजूस ने दोनों के साथ हमारी मदद की है। अन्यथा संस्थान से सामग्री और कोचिंग के लिए, हम कम समय मेंविभिन्न विषयों में कई अवधारणाओं को नहीं समझ पाते। छात्रों को बधाई देते हुए, श्री अभिषेक माहेश्वरी, मुख्य कार्यकारीअधिकारी, आकाश बायजूस ने कहा, ह्लहम सभी छात्रों को उनकेअनुकरणीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं। शीर्ष पर्सेंटाइलस्कोरर के रूप में उनकी उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत और समर्पणके बारे में बताती है। हम उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हेंशुभकामनाएं देते हैं।ह्व
जेईई (मेन) छात्रों को अपने स्कोर में सुधार करने के लिए कईअवसर देने के लिए दो सत्रों में आयोजित किया जाता है। जबकिजेईई एडवांस केवल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में प्रवेश के लिए है, जेईई मेन भारत में कई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकीसंस्थान (एनआईटी) और अन्य केंद्र-सहायता प्राप्त इंजीनियरिंगकॉलेजों में प्रवेश के लिए है। जेईई एडवांस में बैठने के लिए छात्रोंको जेईई मेन में शामिल होना पड़ता है आकाश बायजू हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों केलिए कई कोर्स फॉर्मेट में आईआईटी-जेईई कोचिंग प्रदान करताहै। हाल के दिनों में, आकाश ने कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षणविकसित करने पर अपना ध्यान बढ़ाया है। इसका आईट्यूटर रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर प्रदान करता है। मॉक टेस्ट वास्तविकपरीक्षा परिदृश्य का अनुकरण करते हैं, इस प्रकार छात्रों कोपरीक्षा का सामना करने के लिए आवश्यक परिचितता औरआत्मविश्वास प्रदान करते हैं।

बीएफएसआई और तकनीकी क्षेत्रों में एमबीए स्नातकों की मांग बढ़ी: आईआईएम काशीपुर

काशीपुर। आईआईएम काशीपुर ने अपने प्रमुख दो वर्षीय एमबीए (2021- 2023 बैच), एमबीए एनालिटिक्स, एक्सेक्यूटिव एमबीए और डाक्टरल कार्यक्रम के लिए अपने 10वें दीक्षांत समारोह की मेजबानी की। संस्थान ने कुल 353 छात्रों को डिग्री प्रदान की, जिनमें 9 डाक्टरल और 344 एमबीए स्नातक (260 दो वर्षीय एमबीए, 58 एमबीए एनालिटिक्स छात्र, और 26 एक्सेक्यूटिव एमबीए छात्र) शामिल हैं। मुख्य अतिथि द्वारा शीर्ष प्रदर्शन करने वाले 07 छात्रों को संस्थान पदक और 01 छात्र को सर्वश्रेष्ठ आल राउंड प्रदर्शन पदक से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, 13 एमबीए छात्रों और 03 एमबीए (एनालिटिक्स) छात्रों को डायरेक्टर्स मैरिट लिस्ट से सम्मानित किया गया। स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता त्वरित मांगलिक, एमबीए बैच 2021-23य सलोनी सिंघल, एमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2021-23य सौरभ दीक्षित, ईएमबीए बैच 2020-22य रजत पदक प्राप्त करने वालों में अभिकांत प्रत्युष सिंह, एमबीए बैच 2021-23, भावना मल्होत्रा, एमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2021-23, आशीष शर्मा, ईएमबीए बैच 2020-22 थेय तनिष्क जायसवाल, एमबीए बैच 2021-23 ने कांस्य पदक प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक भावना मल्होत्रा, एमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2021-23 को प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता समारोह के मुख्य अतिथि - मृगांक परांजपे, एनसीडीईएक्स ई-मार्केट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओय संदीप सिंह, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम काशीपुर के अध्यक्षय प्रोफेसर कुलभूषण बलूनी, निदेशक, आईआईएम काशीपुर ने की, साथ ही में संसथान के डीन, फैकल्टी, अन्य गणमान्य व्यक्ति और छात्र मौजूद रहे। एनसीडीईएक्स ई-मार्केट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ मृगांक परांजपे ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि दूसरी पीढ़ी के इस आईआईएम काशीपुर की एक दशक की यात्रा ने कई मील के पत्थर हासिल किए हैं।

डीएम एसएसपी के नेतृत्व में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
जिलाधिकारी और एसएसपी की अगुवाई में अन्य विभागों के साथ संयुक्त रूप से चलाए गए अवैध अतिक्रमण अभियान के तहत लालजीवाला, लालकोठी के पास नीलधारा के तट पर बनाए गए कई अवैध आश्रम और झुग्गी झोपड़ियों को हटाया गया। साथ ही सरकारी भूमि पर धार्मिक अतिक्रमण को भी हटाया गया।
डीएम विनय शंकर पांडेय ने कहा कि ये अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिससे कि सरकारी जमीन पर कोई भी व्यक्ति अवैध कब्जा न कर सके। साथ ही मौके पर लोगों को उक्त स्थान से हटाते हुए सख्त हिदायत दी गई ।

जी-20 और वाई-20 के कार्यक्रमों के लिए दिन-रात चल रहा सौंदर्यीकरण कार्य

8 -लगातार बारिश के बावजूद जारी है कार्य, एमडीडीए अधिकारी कर रहे हैं निरीक्षण

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
जी-20 और वाई-20 कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए सड़कों और दीवारों पर रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण का कार्य दिन-रात चल रहा है। लगातार बारिश के बावजूद भी काम को जारी रखा गया है। प्राधिकरण के अधिकारी भी लगातार मौके पर ही खड़े होकर इन कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं।
जी-20 और वाई-20

ऋषिकेश और नरेंद्र नगर में होने वाले आयोजनों को लेकर प्राधिकरण इन दिनों जॉलीग्रांट एयरपोर्ट के आसपास सौंदर्यीकरण में लगा हुआ है। कार्यों की रफ्तार धीमी न पड़ने पाए इसको लेकर खुद एमडीडीए के वीसी बंशीधर तिवारी और सचिव मोहन सिंह बर्निया बार-बार कार्यों का जायजा ले रहे हैं। यहीं नहीं निरीक्षण कर अभियंताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी उनकी ओर से जारी किए जा रहे हैं।
इस मौके पर अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता पूरी टीम के साथ इस कार्य को समय रहते पूरा करने में दिन रात जुटी हुई है। इसका नतीजा ये है कि रविवार से हो रही बारिश के बावजूद इन कार्यों की गति धीमी नही हो पाई है।
मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) वीसी बंशीधर तिवारी ने बताया कि इन सौंदर्यीकरण कार्यों के तहत जॉलीग्रांट एयरपोर्ट के सामने पार्क का निर्माण, दीवारों पर रंगाई, चित्रकारी, सड़क के डिवाइडर पर प्लांटेशन, रानीपोखरी की तरफ वाली रोड के डिवाइडर पर भी प्लांटेशन और सौंदर्यीकरण का काम किया जा रहा है। इसके अलावा सड़क किनारे के घरों पर भी रंग-रोगन आदि किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण को दी गयी हर जिम्मेदारी को बेहतर तरीके और समय से करने के लिए पूरी मेहनत की जा रही है।

डिस्ट्रीब्यूटर ऑफ उत्तराखंड की आम बैठक संपन्न

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून।
डिस्ट्रीब्यूटर ऑफ उत्तराखंड (देहरादून डिवीजन) की शनिवार को सहारनपुर रोड स्थित एक होटल में अध्यक्ष विवेक अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक हुई डिस्ट्रीब्यूटर ऑफ उत्तराखंड उत्तराखंड के डिस्ट्रीब्यूटर्स की एक इकाई है जिसमें अधिकांश फास्ट मूविंग फूड प्रोडक्ट्स के डिस्टीब्यूटर्स सम्मिलित है।
निम्न मुद्दों पर चर्चा
1.ऐसा विगत कई वर्षों से देखा जा रहा है रिटेलर्स/ होलसेलर कैश डिस्काउंट काटकर पेमेंट करते हैं। इस पर विस्तृत चर्चा हुई और तय किया गया कि 6 दिन के अंदर अंदर जो होलसेलरध रिटेलर पैसे देगा उन्हीं को कैश डिस्काउंट दिया जाएगा अन्यथा नहीं।
2. बाजार से डिस्ट्रीब्यूटर जो कलेक्शन करते हैं इसमें होलसेलर और रिटेलर बहुत सारे टुकड़ों में पैसे देना चाहता है जिसमें लगातार डिस्ट्रीब्यूटर्स का और रिटेलर्स का एक आपस में मतभेद रहता है और हिसाब नहीं मिल पाता। यह सहमति बनी कि एक कमेटी का गठन कर कर रिटेलर्स और कोशिला उसके साथ मिलकर इस गतिरोध को दूर किया जाए। 3.पिछले काफी समय से ऐसा देखा जा रहा है की रिटेलर्स और होलसेलर लगातार सस्ता और मंदा माल अपने चंद पैसे के फायदे के लिए असली नकली सब माल खरीद कर बाजार में बेच रहे हैं इस पर बहुत मंथन के बाद में तय किया गया जो रिटेलर और होलसेलर नकली सामान बेचकर समाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं उन सभी को डिस्टीब्यूटर्स उत्तराखंड का एक प्रतिनिधिमंडल एक बार आघा करेगा, और उनके नहीं मानने पर सभी डिस्ट्रीब्यूटर्स उनका बहिष्कार करेंगे।

मित्रता, मानवता की सेवा और सुरक्षा के स्लोगन को चरितार्थ कर रही खाकी

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
चारधाम यात्रा के दौरान उत्तरकाशी पुलिस मित्रता, सेवा और सुरक्षा के स्लोगन को चरितार्थ करती नजर आ रही है। खाकी का मानवीय चेहरा लगातार सामने आ रहा है। बारिश और बर्फबारी के बीच पुलिस के जवान दिन-रात श्रद्धालुओं को सुरक्षित यात्रा कराने में जुटे हैं। विषम परिस्थितियों में ड्यूटी के साथ-साथ तीर्थयात्रियों की हर सम्भव मदद को आगे आ रहे हैं।
सोमवार को एक पुनः कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस ने मानवता का धर्म निभाते हुए मृतक श्रद्धालु का अंतिम संस्कार कर परिजनों को सांत्वना दी।

रोजगार गारंटी योजना के बजट कटौती चिंताजनकः नेता प्रतिपक्ष

8 वर्तमान बजट में फंड की कमी से से 100 दिन के रोजगार की गारंटी नहीं दी जा सकती

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
नेता प्रतिपक्ष ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बजट अनुमान में कटौती को चिंताजनक बताया है।
नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य यहां एक जारी बयान में कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में आरंभिक स्तर पर ही ग्रामीण विकास विभाग की ओर से मनरेगा के लिए 98,000 करोड़ की प्रस्तावित मांग की तुलना में 60,000 करोड़ का आवंटन किया गया है। मनरेगा के तहत आवंटन में 30 हजार करोड़ की कटौती समझ से परे हैं। इस योजना से देश के 5.6 करोड़ परिवार लाभान्वित होते है। मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक प्रमुख जरिया है। लेकिन, मांग के बावजूद इसके बजट में कटौती करना अच्छा संकेत नहीं है।
उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सरकार ने मनरेगा श्रमिक की उपस्थिति और मजदूरी सुनिश्चित करने के लिए एक अजीबोगरीब और पूरी तरह से अव्यवहारिक "एनएमएमएस एप" को अनिवार्य कर दिया गया है। मनरेगा के सभी कार्यस्थलों पर साथियों को अपने फोन से दिन में दो बार सभी श्रमिकों की तस्वीरें अपलोड करनी पड़ती हैं और सैकड़ों हजारों मजदूरी से वंचित रह जाते हैं। इससे कोई प्रयोजन पूरा नहीं होता।
नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मनरेगा के अन्तर्गत 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी जाती है। वर्तमान बजट में फंड की कमी से से 100 दिन के रोजगार की गारंटी नहीं दी जा सकती।
उन्होंने आंकड़े बताते हुए कहा कि 2008 से 2011 तक वार्षिक आवंटन सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.4 फीसद था। इस साल 60,000 करोड़ का आवंटन जीडीपी के 0.2 फीसद से कम है। इसलिए, वास्तविक रूप में, यह अब तक का सबसे कम मनरेगा आवंटन है। इससे सरकार की सोच को समझा जा सकता है।

सीग्राम के रॉयल स्टैग बूमबॉक्स ने देहरादून में म्यूजिशियन अरमान मलिक, नीति मोहन, ईपीआर और डीजे योगी के साथ रोमांचक ऑन-ग्राउंड अनुभव पेश किया

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून।
लिविंग इट लार्ज का जश्न मनाते हुए सीग्राम का रॉयल स्टैग अपनी तरह का खास म्यूजिकल अनुभव, रॉयल स्टैग बूमबॉक्स लेकर आया है। यह युवा पीढ़ी की आवाज है। यह पीढ़ी ट्रेंड्स को फौलो नहीं करती, बल्कि ट्रेंड बनाती है, और झकझोर कर देने वाले अनुभवों की निरंतर तलाश में रहती है। इस संगीतोत्सव का पाँचवां और अंतिम ऑनग्राउंड शो देहरादून, उत्तराखंड में 29 अप्रैल, 2023 को आयोजित हुआ। रॉयल स्टैग ने संगीत उद्योग की दो विपरीत शैलियों को एक साथ लाकर इस शहर को जीवंत कर दिया। यहाँ बॉलिवुड के मधुर संगीत और हिप-हॉप की जोशीली लहरों के संगम ने एक नए ओरिजनल म्यूजिक और एक नए साउंडस्केप का निर्माण कर दिया।
लगभग 10,000 प्रशंसकों की भीड़ के बीच देहरादून शहर युवा जोश से सराबोर था। इस स्थान राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम को खूबसूरत रंगों में सजाया गया था, जो संस्कृति के विभिन्न पहलुओं का चित्रण कर रहे थे, और दर्शकों के लिए मर्चेंडाईज, फूड एवं अनेक इंटरैक्टिव अनुभव पेश कर रहे थे। इस कार्यक्रम का मूड और अहसास अद्वितीय एवं युवा उत्साह से परिपूर्ण था, और इस शहर के मिजाज का प्रदर्शन कर रहा था। ऐसा अनुभव इस शहर ने पहले कभी महसूस नहीं किया था। सुर्खियों में रहे प्रदर्शनों के अलावा इस कार्यक्रम में कई अन्य एक्ट भी थे, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम में दर्शकों की दिलचस्पी बनाकर रखी। इनमें दोपहर में स्थानीय बैंड्स, डांसर्स, फ्लिपर्स और बीटबॉक्सर्स के कार्यक्रम शामिल थे। शाम की ओर बढ़ते हुए डीजे योगी ने मंच संभाल लिया और अपने मैशअप्स से कार्यक्रम का समाँ बांध दिया। इसके बाद रैपर ईपीआर ने अपने हिपहॉप संगीत की गूंज से भीड़ का मन मोह लिया। शाम को गायिका नीति मोहन ने मंच पर आकर अपने मधुर गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में अरमान मलिक की जबरदस्त परफॉर्मेंस ने कार्यक्रम के जोश को शिखर पर पहुँचा दिया।
गायक-गीतलेखक अरमान मलिक ने कहा कि संगीत सही समय पर दी जाने वाली थेरेपी से कम नहीं। यह लोगों के दिल को छूता है और उन्हें साथ लाता है। मुझे खुशी है कि मैं लाईव संगीत के माध्यम से प्यार और खुशी फैलाने वाले संगीत के महोत्सव रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का हिस्सा हूँ। देहरादून में परफॉर्म करने का अनुभव बहुत शानदार था।
रैपर ईपीआर ने कहा, मुझे इस अद्वितीय प्लेटफॉर्म - रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का हिस्सा बनने की खुशी है। युवाओं के लिए परफॉर्म करने की ऊर्जा सबसे अलग है। हमें देहरादून में कई खास लम्हों का अनुभव मिला।
गायिका नीति मोहन ने कहा, मैं रॉयल स्टैग बूमबॉक्स द्वारा निर्मित इस अद्वितीय नए म्यूजिकल अनुभव का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूँ।

मौसम भी नहीं रोक पा रहा श्रद्धालुओं के कदम, धामों में उमड़ रहा सैलाब

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
बारिश और बर्फबारी का मौसम भी श्रद्धालुओं के कदमों को नहीं रोक पा रहा है। इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद चार धामों में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। कहने का मतलब कि बिगड़ैल मौसम के बावजूद भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के कदम चार धाम तीर्थस्थलों की ओर लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि राज्य सरकार प्रतिकूल मौसम को देखते हुए तीर्थ यात्रियों के लिए हर दिन अलर्ट भी जारी कर रही है और इसी के आधार पर सभी को यात्रा करने की सलाह दे रही है।
प्रदेश सरकार ने मौसम के बदले मिजाज को देखते हुए फिलहाल पंजीकरण को रोक दिया है। इसके

बावजूद पहले से पंजीकृत तीर्थयात्री और श्रद्धालु चार धामों की ओर बढ़ रहे हैं। गंगोत्री-यमुनोत्री में हो रही झमाझम बारिश से श्रद्धालुओं के उत्साह में किसी तरह की कोई कमी नहीं दिखाई दे रही है।सोमवार को भारी बारिश के बीच भी हजारों यात्रियों का हुजूम इन मार्गों जाते हुए देखा जा सकता है। उधर, सोनप्रयाग से भी केदारनाथ धाम के लिए सुबह आठ बजे तक 2584 यात्री रवाना हुए हैं। आज दोपहर बाद बदरीनाथ धाम का मार्ग भी खोल दिया गया है। इस मार्ग पर भी श्रद्धालुओं का धाम की ओर जाने का क्रम शुरू हो गया है।
बारिश और बर्फबारी से चार धामों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। गंगोत्री और यमुनोत्री सहित यमुना घाटी में लगातार बारिश हो रही है। साथ ही ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी हो रही है। यमुनोत्री धाम के आखिर प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी से यमुनोत्री धाम पैदल मार्ग पर मूसलाधार बारिश के बीच यात्री जोखिम उठाकर आवाजाही कर रहे हैं। उनकी आस्था और श्रद्धा के आगे बारिश-बर्फबारी और विपरीत परिस्थितियां भी बेमाने साबित हो रही हैं।
इस संबंध में बदरी-केदार समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने आज फिर वीडियो जारी कर कहा है कि बदरी और केदारनाथ धाम में मौसम बहुत दिनों से प्रतिकूल बना हुआ है। लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं-तीर्थयात्रियों की श्रद्धा और आस्था में कोई कमी नहीं दिखाई दे रही है। श्रद्धालु बहुत ही उत्साहित नजर आ रहे हैं।
प्रदेश सरकार और केदारनाथ मंदिर समिति के स्तर से श्रद्धालुओं के सरल और सुगम दर्शन की व्यवस्था के सभी प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं। धाम के मार्गों और पड़ाव स्थलों पर अलाव आदि की भी व्यवस्था की गई है।

पतंजलि में स्वास्थ्य विषय पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित पतंजलि आयुर्वेद हॉस्पिटल के अंतर्गत उन्नत तकनीकों के साथ-साथ आयुर्वेद के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य प्राप्त करना विषय पर तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है। पतंजलि अनुसंधान संस्थान और पतंजलि विश्वविद्यालय के सहयोग से यह सम्मेलन पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार स्थित सभागार में प्रारंभ हुआ।
इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि आज लोगों का उपचार तो हो रहा है, लेकिन उपचार के नाम पर व्यापार भी हो रहा है। कई बार यह उपचार व्यापार के कारण मौत का कारोबार बन जाता है। आज इस सम्मेलन में हम विविध रोगों की चिकित्सा, अनुसंधान और आविष्कार की बात कर रहे हैं, किन्तु मात्र आविष्कार ही पर्याप्त नहीं है। यदि हमने आविष्कार किया, उसका प्रचार-प्रसार किया,लेकिन लोगों को उससे कोई लाभ नहीं पहुंचा तो वह आविष्कार व्यर्थ है। हमने योग, आयुर्वेद और सनातन संस्कृति में फैली दरिद्रता को दूर करके इन्हें परम वैभव तक ले जाने का कार्य किया है। इस सम्मेलन के माध्यम से हमारी ऋषियों की ज्ञान परम्परा को गौरव प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। हम सब संगठित होकर, एक साथ चलकर, संगठित पुरुषार्थ से एक बड़ा लक्ष्य प्राप्त करेंगे और ऋषि संस्कृति व आयुर्वेद का गौरव पुनः देख पाएँगे।
आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आज हम आयुर्वेद में एडवांस टेक्नोलॉजी की बात करते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। पहले आयुर्वेद में तथ्य और प्रमाण न होने के कारण इसे वैश्विक स्तर पर ख्याति नहीं मिल पाई। हमारे पास हमारे शास्त्रों के रूप में तथ्य और प्रमाण उपलब्ध थे किन्तु दुर्भाग्य से उन्हें मान्यता नहीं मिल सकी।सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल कमिशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन के अध्यक्ष वैद्य जयंत देवपुजारी ने कहा कि इंटिग्रेटेड मेडिसिन एक ऐसा विषय है, जिसकी सर्व समावेशक, सर्व सम्मत व्याख्या आज तक हमारे देश में नहीं है।

संपादकीय

'मन की बात' यूं ही नहीं बनी जन-जन की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज दुनिया के सबसे अग्रणी नेताओं में सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रतिष्ठित हैं। उन्होंने अपनी कार्यशैली और अनूठी पहल से वैश्विक राजनीतिक मंच पर अलग पहचान स्थापित की है। प्रधानमंत्री ने भारतीय राजनीति में अनेक दूरगामी कठोर निर्णयों के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक नवाचार के विविध आयोजनों में सदैव लीक से हटकर कुछ न कुछ नया करने का प्रयास किया है। अनेक अवसरों पर अपने निर्णयों से सहयोगियों के साथ अपने प्रतिद्वंद्वियों को न केवल चौंकाया, बल्कि आश्चर्यचकित किया है। प्रधानमंत्री की अग्रगामी सोच और अनूठी पहल का उत्कृष्ट उदाहरण है, उनका मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्ल। यह उनकी कार्यशैली को लेकर अलग प्रतिमान स्थापित करता है। आज 'मन की बात' रेडियो-टेलीविजन के माध्यम से सुना जाने वाला सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यक्रम है। इससे नियमित जुड़ने वालों श्रोताओं और दर्शकों की संख्या लगभग 25 करोड़ है। ताजा सर्वे बताते हैं कि 'मन की बात' को आरंभ होने से अब तक एक अरब से अधिक लोग सुन चुके हैं। भारत के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र, जहां टेलीविजन जैसे माध्यम की पहुंच पूरी तरह नहीं है, तक रेडियो के माध्यम से सुना जानेवाला यह कार्यक्रम देश को एक सूत्र में जोड़ने वाला प्रमाणित हुआ है। कोई भी देश तभी तरक्की कर सकता है जब उस देश की जनता अपनी बात को देश के मुखिया तक और देश का मुखिया अपनी बात जनता तक पहुंचा पाये । इससे देश की जनता में अपने मुखिया के लिए विश्वास पनपता है और देश के मुखिया को भी पता चलता है कि आखिर जनता की क्या अपेक्षाएं हैं। फिर पूरे जोश के साथ देश के विकास से जुड़े कार्यों में भागीदारी होती है और देश विकास की राह में अग्रसर होता है। इसी तरह के प्रयास का नाम है- 'मन की बात'। कोई आश्चर्य नहीं कि 'मन की बात' अब 'जन की बात' से भी आगे बढ़कर 'जन-जन की बात' बनता जा रहा है। नरेन्द्र मोदी ने मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने के कुछ महीनों बाद ही 'मन की बात' शृंखला शुरू की थी। 03 अक्तूबर, 2014 को इसके पहले एपिसोड का प्रसारण हुआ। तब से यह निरंतर जारी है। इसमें प्रधानमंत्री ने राजनीतिक कार्यक्षेत्र से अलग हटकर भारतीय समाज के कुछ उल्लेखनीय और महत्वपूर्ण लोगों से संवाद स्थापित किया। हजारों ऐसे लोगों से बात की जो नाम और प्रसिद्धि की चकाचौंध से दूर रहकर चुपचाप कुछ नया और असाधारण कार्य कर रहे हैं। ऐसी अनेक गुमनाम प्रतिभाएं 'मन की बात' के माध्यम से प्रकाश में आईं, जिनके संबंध में पहले अधिकतर लोगों को कुछ अधिक नहीं मालूम था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुदूर क्षेत्रों तक अपनी बात पहुंचाना और अपनी पहुंच बनाना था । इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस कार्यक्रम को प्रसारित करने का माध्यम रेडियो को बनाया गया। भारत में लगभग 90 प्रतिशत जनसंख्या के पास रेडियो उपलब्ध है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश की जनता को किसी एक विषय पर जागरूक कर उन्हें वह कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे राष्ट्र सही राह पर चलता हुआ तरक्की कर सके। प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 100वां एपिसोड रविवार को प्रसारित हुआ। यह कार्यक्रम जब आरंभ हुआ था, तब अनेक लोगों (विशेषकर प्रधानमंत्री के राजनीतिक विरोधियों) को समझ में नहीं आया था। लोग रेडियो जैसे माध्यम को कमोबेश महत्वहीन मान रहे थे।

नक्सलियों के फन को कुचलना होगा

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

> नक्सली हमलों में जिस तरह पुलिस और केंद्रीय बल को निपटना चाहिए उस तरह की कोशिश होती नहीं दिख रही है। नक्सली हमला जब भी होता है तो पूर्व सुनियोजित तरीके से होता है। हमलावरों को पता होता है कि किस वक्त हमला करने से सबसे ज्यादा नुकसान होगा, ऐसे में जरूरी है कि पुलिस और सीआरपीएफ स्थानीय लोगों को अपने साथ ले ताकि ऐसे ऑपरेशंस में सूचना तंत्र और बेहतरी से काम कर सके। निस्संदेह, पुलिस प्रशासन के सामने यह एक बड़ी चुनौती है, जिसका मुकाबला करने के लिये बहुआयामी रणनीति बनाने की जरूरत है। पुलिस व कानून अपना काम करेंगे, लेकिन कोशिश हो कि नक्सलियों का जनाधार कम किया जाये। विकास के मॉडल की विसंगतियों के चलते जिन इलाकों में विकास की रोशनी नहीं पहुंच पायी है, वहां सामाजिक न्याय के अनुकूल वातावरण बने

नक्सलियों ने फिर एक बार देश के जवानों पर हमला किया है। दंतेवाड़ा में हुए हमले में हमारे 10 जवान और एक ड्राइवर शहीद हुए हैं। इससे पहले 4 अप्रैल, 2021 को बीजापुर, सुकमा जिले के बॉर्डर पर नक्सली हमले में 22 जवान शहीद हुए थे। दंतेवाड़ा नक्सली गतिविधियों का मुख्यालय माना जाता है। इतिहास का सबसे भयावह और त्रासद हमला 6 अप्रैल, 2010 को दंतेवाड़ा में ही किया गया था, जिसमें सीआरपीएफ के 76 जांबाज शहीद हो गए थे। अप्रैल और दंतेवाड़ा के नाम हमारी बदकिस्मती और त्रासदी की कई कहानियां दर्ज हैं।
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राज्यसभा में कहा 10 फरवरी2021, कि 2015 और 2020 के बीच 2009 से 2014 तक पिछले छह वर्षों में हुई घटनाओं की तुलना में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित घटनाओं में 47 प्रतिशत की कमी आई थी, और यह कि नक्सल हिंसा का भौगोलिक प्रसार पूरे 53 जिलों में सीमित हो गया था। 2013 में 10 राज्यों के 76 जिलों की तुलना में 2020 में 9 राज्य। नक्सली आंदोलन और सुरक्षा बलों के टकराव सनातन रहे हैं। हालांकि बीते 12 सालों में लाल आतंकवाद करीब 77 फीसदी कम हुआ है, लेकिन आज भी देश के 70 से अधिक जिलों में नक्सलवाद मौजूद और सक्रिय है। यह आंकड़ा कम नहीं है। मौजूदा हमला हमारी रणनीति की नाकामी भी है, क्योंकि फर्जी सूचनाएं मिलती रही हैं, लिहाजा सुरक्षा बलों के ऑपरेशन किए जाते रहे हैं। ऐसे ही ऑपरेशनों के दौरान हमारे जवान नक्सली साजिश का शिकार होते रहे हैं। बड़ा सवाल यह है कि बारूदी सुरंग बिछाने या विस्फोटक लगाने का जवाब हम आज तक क्यों नहीं दे पाए हैं। ये साजिशें जारी रही हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। लीड मिली थी कि दंतेवाड़ा में नक्सलियों का एक बड़ा नेता मौजूद है। करीब 250 जवानों के दस्तों का ऑपरेशन शुरू किया गया, लेकिन तीन दिनों की गहन तलाशी के बावजूद कोई भी नक्सली नहीं मिला, तो डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवान लौट रहे थे। उसी दौरान नक्सलियों ने आईईडी से विस्फोट किया। बताते हैं कि 40 किलोग्राम से ज्यादा विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया, जिससे मुख्य सडक पर ही 15 फुट चैड़ा और 7 फुट गहरा गड्ढा हो गया। विस्फोट इतना ताकतवर था

कि वाहन का चेसिस और पहिया 50 मीटर दूर पड़े थे। गाड़ी के परखच्चे उड़ गए थे और शहीद जवानों के हथियार टूट-फूट गए थे। नक्सलवाद को खत्म करने की रणनीतियां भारत सरकार के स्तर पर बनती रही हैं। कभी सेना को भेजने का विचार आता रहा है, लेकिन नक्सली घने जंगलों में अड्डे बनाकर रहते हैं, जहां बीते 50 सालों के दौरान कोई भी सरकारी अफसर या सुरक्षा बल के जवान नहीं घुस सके हैं। वहां का भूगोल तक हमारी सरकारें नहीं जान पाई हैं, तो गुरिल्ला लड़ाई से मुकाबला कैसे संभव है? नक्सलियों पर सर्जिकल स्ट्राइक का मुद्दा भी उठा है, लेकिन ऐसे पलटवार हमले में मासूम लोग, बच्चे, बूढ़े और महिलाएं भी मारे जा सकते हैं। नतीजतन वह मानवाधिकार और राजनीतिक चीखा-चिल्ली का बड़ा मुद्दा बन सकता है। तो फिर सवाल है कि लाल आतंकवाद कब तक जारी रहेगा? हालांकि औसतन 400 नक्सली हर साल आत्म-समर्पण कर रहे हैं। यह खुलासा बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी. सुंदरराज ने किया है। इस तरह नक्सली मुख्यधारा में आ रहे हैं और लाल आतंकवाद के खिलाफ रणनीति तय करने में भी असरदार साबित हो रहे हैं, लेकिन किसानों को न्याय और जमीन मुहैया कराने के जुमलों से शुरू किया गया नक्सली आंदोलन आज हत्यारा आतंकवाद बनकर रह गया है। क्या उसके समूल विनाश की कोई कारगर रणनीति हम नहीं बना सकते? यह चुनौती भी सामने है। हम नक्सली या माओवादी आतंकियों के मंसूबे पूरे होते नहीं देख सकते, क्योंकि उनका संसदीय लोकतंत्र में भरोसा ही नहीं है। नक्सली सिर्फ जंगल तक ही सीमित नहीं हैं, उनके आर्थिक मंसूबे भी व्यापक और देशविरोधी हैं।बहरहाल, दंतेवाड़ा में हुए इस हालिया हमले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर मंथन किये जाने की जरूरत है। यह भी कि नक्सल प्रभावित इलाकों में किसी ऑपरेशन को चलाये जाने से पहले अभियान के तमाम सुरक्षा मानकों का पूरी तरह से पालन किया जाये। जिससे अपने जवानों की क्षति को रोका जा सके। साथ ही खुफिया तंत्र को मुस्तैद बनाने और स्थानीय पुलिस बल के साथ बेहतर तालमेल करने की भी जरूरत है। तभी जवान ऐसे अभियानों में ऊंचे मनोबल के साथ लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। जाहिर है यह केंद्र व राज्य सरकारों के साथ बेहतर तालमेल से ही संभव होगा। यदि राजनीतिक कारणों से राज्यों की सरकारें अपेक्षित सहयोग नहीं करती हैं तो उनके लिये भी कानून-व्यवस्था का संकट देर-सवेर पैदा होगा ही। निस्संदेह, ये नक्सली न केवल राज्यों की कानून-व्यवस्था को ताक पर रख रहे हैं बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिये भी खतरा बन रहे हैं। रिजर्व फोर्स के दस जवानों की मौत इस बात की जरूरत भी बताती है कि उन्हें केंद्रीय सुरक्षा बलों की रणनीति व आधुनिक हथियार तथा उपकरणों के जरिये सुरक्षा कवच प्रदान किया जाना चाहिए। यह जरूरत तब अपरिहार्य हो जाती है जब नक्सली आधुनिक हथियारों व तकनीक का इस्तेमाल कर सुरक्षा बलों के जीवन पर भारी पड़ रहे हैं। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर नक्सलियों की निगरानी की भी कोशिश होनी चाहिए। निस्संदेह, भौगोलिक रूप से जटिल इलाके नक्सलियों की गतिविधियों के लिये स्वर्ग बने हुए हैं, लेकिन ड्रोन व अत्याधुनिक सूचना तंत्र के जरिये सटीक निगरानी के लिये तंत्र बनाये जाने की भी सख्त जरूरत है। यूं तो हर हादसा कुछ जख्म देने के साथ कुछ सबक भी दे जाता है। ऐसे में सुरक्षा व निगरानी में हुई चूक की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को टाला जा सके। यह भी सुनिश्चित किये जाने की जरूरत है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा मानकों के पालन में किसी तरह की कोताही भविष्य में न हो।
नक्सली हमलों में जिस तरह पुलिस और केंद्रीय बल को निपटना चाहिए उस तरह की कोशिश होती नहीं दिख रही है। नक्सली हमला जब भी होता है तो पूर्व सुनियोजित तरीके से होता है। हमलावरों को पता होता है कि किस वक्त हमला करने से सबसे ज्यादा नुकसान होगा, ऐसे में जरूरी है कि पुलिस और सीआरपीएफ स्थानीय लोगों को अपने साथ ले ताकि ऐसे ऑपरेशंस में सूचना तंत्र और बेहतरी से काम कर सके। निस्संदेह, पुलिस प्रशासन के सामने यह एक बड़ी चुनौती है, जिसका मुकाबला करने के लिये बहुआयामी रणनीति बनाने की जरूरत है। पुलिस व कानून अपना काम करेंगे, लेकिन कोशिश हो कि नक्सलियों का जनाधार कम किया जाये। विकास के मॉडल की विसंगतियों के चलते जिन इलाकों में विकास की रोशनी नहीं पहुंच पायी है, वहां सामाजिक न्याय के अनुकूल वातावरण बने। लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है। जिससे स्थानीय लोग नक्सलियों के प्रवाह व दबाव से मुक्त हो सकें। लोगों को समझाना होगा कि लोकतंत्र में गनतंत्र की कोई जगह नहीं है। ऐसा माहौल बनाया जाये कि हमारे समाज के भटके लोगों से संवाद की कोशिश को तार्किकता दी जा सके। अन्यथा यह हिंसा व प्रतिहिंसा का सिलसिला अनवरत जारी रहेगा। जाहिर है समस्या के समाधान के लिये राजनेताओं में भी दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। तभी दशकों पुराने इस नासूर का रिसना बंद हो सकेगा।

कविता

तेरी दुआयें ही मेरी कमाई है।
तेरे कदमों से बरकत आई है।
तुझसे ही मैंने जीवन है पाया।
तुझसे ही सारी खुशियां पाई है।
तेरे कदमों की धूल जो मिल गई।
दुनिया मेरी तो फूल सी खिल गई।
तेरे कदमों के निशानों पर चलकर।
मैंने ये खूबसूरत मंजिल पाई है।
तूने जब जब मुझे हँसके गले लगाया।
तब तब मैंने खुदा को खुद में पाया।
जब तूने हँसकर मेरे सर पे हाथ फेरा।
तब तब मेरे जीवन का हुआ नया सवेरा।
माँ मेरी कभी ना तू मुझसे रूठना।
खफा ना होना चाहे जी भरके कूटना।
तेरे आँचल की छाया में ही मैंने तो।
चाँद जैसी ठंडी शीतलता पाई है।
मेरा जीवन हो बस तेरे कदमों तले।
तेरी ही छाया में जीवन की शाम ढले।
हर अच्छी बुरी सीख मैने तुझसे पाई है।
मैं कोरा कागज हूँ माँ तू मेरी रोशनाई है।

आरती त्रिपाठी

मजदूर दिवस मनाने की सार्थकता

अशोक भाटिया

1 मई को दुनिया भर में मजदूर दिवस मनाया गया । इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस और मई दिवस के रूप में भी जाना जाता है। भारत में मजदूर दिवस का पहला उत्सव 1 मई, 1923 को लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान द्वारा मद्रास (अंब चेन्नई) में आयोजित किया गया था। मजदूर दिवस 4 मई, 1886 को शिकागो में हेमार्केट अफेयर (हेमार्केट नरसंहार) की घटनाओं को मनाने के लिए मनाया जाता है। यह एक बड़ी घटना थी क्योंकि कर्मचारी अपने आठ घंटे के कार्यदिवस के लिए आम हड़ताल पर थे और पुलिस आम जनता को भीड़ से तितर-बितर करने का अपना काम कर रही थी। अचानक भीड़ पर बम फेंका गया और पुलिस ने कार्यकताओं पर फायरिंग शुरू कर दी और चार प्रदर्शनकारी मारे गए। श्रमिकों के बलिदान के कारण ही 1884 में अमेरिकन फेडरेशन ऑफ लेबर द्वारा शिकागो में राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रमिकों के लिए आठ घंटे का कानूनी समय घोषित किया गया था।इस घटना को मनाने के लिए, द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय, समाजवादी और साम्यवादी राजनीतिक दलों के एक अखिल-राष्ट्रीय संगठन ने 1 मई 1891 में मजदूर दिवस के रूप में चिह्नित किया। आज मजदूर दिवस मनाने की सार्थकता तब होगी जब उसके उद्देश्य पर अमल हो । भारत में महिला, प्रवासी एवं बाल मजदूरों की समस्याएं बेहद चिंतनीय है। आज भी देश के कोने-कोने में लाखों मजदूर नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।ऑक्सफेम इंडिया की नयी रिपोर्ट में ऐसे ही एक सच महाराष्ट्र के गन्ना उद्योग से सामने आया है। जिसमें करीब 2 लाख बाल मजदूर गन्ना काटने जैसे कार्यों में लगे हुए हैं। उनमें से 1।3 लाख बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। महाराष्ट्र भारत का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक राज्य है। जोकि चीनी उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर अनौपचारिक श्रमिकों पर निर्भर करता है। गन्ना काटने के लिए यह मजदूर बड़े पैमाने पर सूखाग्रस्त मराठवाड़ा क्षेत्र से मुकादम के जरिये ट्रकों में भरकर पलायन करते हैं। जोकि बड़ी दयनीय स्थिति में रहते हुए काम करने को मजबूर हैं। जिन्हें गरीबी और उधारी चारों ओर से घेरे रहती है। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा महिलाओं और बच्चों को भुगतना पड़ता है।
2018-19 के आंकड़े बताते हैं कि राज्य की 195 चीनी मिलों में से 54 मराठवाड़ा में हैं, जोकि सूखा ग्रस्त क्षेत्र है। 2012-13 में, जब मराठवाड़ा के गांवों में टैंकरों के जरिए पीने के पानी की व्यवस्था की गई थी, तब इस क्षेत्र में 20 नई चीनी मिलों ने काम शुरू किया था। महाराष्ट्र के गन्ना उद्यान में काम करने के लिए हर वर्ष करीब 15 लाख लोग अपने बच्चों के साथ पलायन करते हैं। जिनमें से अकेले बीड जिले से करीब 5 लाख लोग आते हैं। इतनी बड़ी मात्रा में पलायन के लिए काम धंधों का अभाव, राजनैतिक अस्थिरता, कृषि भूमि का अनुपजाऊ होना, जल और अन्य संसाधनों की कमी जैसे कारक मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

विचार

सम्राट चार्ल्स का राज्याभिषेक

आर.के. सिन्हा

भारत के मित्र और ब्रिटेन के नए बनने जा रहे सम्राट चार्ल्स-तृतीय के आगामी 6 मई को होने वाले राज्याभिषेक में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी उपस्थित रहेंगे। सम्राट चार्ल्स का राज्याभिषेक उस वक्त हो रहा है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भारत मूल के ऋषि सुनक हैं। सुनक की पत्नी भारत के प्रख्यात उद्योगपति एन. नारायणमूर्ति की सुपुत्री अक्षता हैं। यह भी मानना होगा कि दोनों देशों के आपसी संबंधों को मजबूत रखने में ब्रिटेन में बसे हुए 15-16 लाख प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका तो रही ही है। इनमें अफ्रीकी और कैरिबियाई देशों से आकर बसे भारतीय मूल के लोग भी हैं। ये सब ब्रिटेन और भारत के बीच एक पुल का काम कर रहे हैं। प्रवासी भारतीय ब्रिटेन में हर क्षेत्र में मौजूद हैं। अब चाहे वो व्यापार, राजनीति, खेल का क्षेत्र हो या कोई और, इन्होंने सबमें एक मुकाम हासिल किया है। एक खास बात यह भी है कि ब्रिटेन ने आपसी संबंधों को बेहतर करने लिए ज्यादातर प्रवासी भारतीयों को ही राज पाट में शामिल कर रखा है। प्रिंस से किंग बने चार्ल्स पहली बार 1975 में भारत आए थे। गुजरे दशकों से जिन्हें सब प्रिंस चार्ल्स के रूप में जानते थे, वे अब हो रहे हैं किंग चार्ल्स तृतीय। वे भारत के अंतिम वायसराय लार्ड माउंटबेटन के साथ पहली बार 2 मई, 1975 को नई दिल्ली आए थे। वे तब पूरी तरह से युवा थे। उनकी उम्र मात्र 22 साल थी। उनका पालम एयरपोर्ट पर तब के उपराष्ट्रपति बी.डी.जत्ती ने स्वागत किया था। वे राष्ट्रपति भवन में ही ठहरे थे। उनकी उस यात्रा की एक छोटी सी फिल्म यूट्यूब पर भी उपलब्ध है। उसमें लार्ड माउंटबेटन राष्ट्रपति भवन के बारे में प्रिंस चार्ल्स को इशारों से जानकारी दे रहे हैं। इसी राष्ट्रपति भवन में लार्ड माउंटबेटन भारत के अंतिम वायसराय के रूप में 12 फरवरी 1948 से 15 अगस्त 1947 और भारत के पहले गवर्नर जनरल के रूप में 21 जून 1948 तक रहे थे। इसलिए जाहिर है, उन्हें राष्ट्रपति भवन के भूगोल और वास्तुकला की जानकारी थी। इस बीच, भारत और ब्रिटेन के बीच संबंधों का एक पूरा इतिहास रहा है। यह सारा देश जानता है। वर्ष 2004 में द्विपक्षीय संबंध में जो रणनीतिक साझेदारी विकसित हुई उसे सभी सरकारों द्वारा और मजबूत ही किया गया। आज भारत एक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिसका परिणाम ब्रिटेन के पक्ष में हो सकता है। भारत पहले से ही क्रय शक्ति समता विनिमय दरों के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर खड़ा है और आने वाले दशकों में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। निश्चित रूप से किंग चार्ल्स ही यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके देश की सरकार आगे भी भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाकर रखे। वे निकट भविष्य में भारत का दौरा भी अवश्य करेंगे।

भारत सरकार की तरफ से उन्हें भारत आने का निमंत्रण भी मिलेगा ही। वे तब राजधानी में दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के सेंट जॉन वोकेशनल सेंटर की गतिविधियों को भी देखना चाहेंगे। वे पिछली बार जब दिल्ली आए थे, वे तब ब्रिटेन के प्रिंस थे। तब वे सेंट जॉन वोकेशनल सेंटर की गतिविधियों को भी देखने पहुंचे थे। यहां पर समाज के कमजोर तबकों से जुड़े सैकड़ों नौजवानों के लिए एयरकंडीशनिंग, मोटर मैक्निक, ब्यूटिशियन, कारपेंटर, टेलरिंग वगैरह के कोर्स चलाए जाते हैं। उस वक्त, उन्होंने सेंटर में ट्रेनिंग ले रहे बहुत से नौजवानों से बात भी की थी और संतोष जताया कि यहां से प्रशिक्षित नौजवान जीवन में अपने लिए जगह बना रहे हैं। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के सदस्य मोनोदीप डेनियल ने बताया कि प्रिंस चार्ल्स ने वादा किया था कि वे ब्रदरहुड सोसायटी के बाकी प्रोजेक्ट्स को आगे की यात्राओं में देखेंगे। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के संस्थापकों में गांधी जी के परम सहयोगी दीन बंधु सीएफ एंड्रयूज थे। उन्होंने सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ाया भी था। वे दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी से 1916 में मिले थे। उसके बाद दोनों घनिष्ठ मित्र बने। उन्होंने 1904 से 1914 तक सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ाया।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन या डबल इंजन सरकार

डा. भरत मिश्र प्राची

224 विधानसभा सीट वाली कर्नाटक राज्य में 10 मई को विधानसभा के चुनाव होने जा रहे है। इस चुनाव में भाजपा, कांग्रेस एवं जनता दल एस मुख्य राजनीतिक दल है। जहां मुख्य मुकाबला भाजपा एवं कांग्रेस के बीच है। जहां सर्वाधिक रूप से कांग्रेस का शासन काल रहा है। वर्तमान में भाजपा की सरकार है। इस चुनाव में भाजपा अपने स्टार प्रचारक पूर्व मुख्य मंत्री बी एस येदियुरप्पा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह एवं अध्यक्ष जे पी नड्डा के बल पर फिर से सत्ता में वापिस आने की उम्मीद लगाये बैठी है वहीं कांग्रेस इस बार भाजपा को सत्ता से बाहर कर सत्ता आसीन होने का भरपूर प्रयास कर रही है। इस पृष्ठिभूमि में कर्नाटक राज्य में प्रमुख रहे राजनीतिक दल जनता दल एस के सुप्रीमो देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। 13 मई को विधानसभा चुनाव के परिणाम आने वाले है। फिलहाल कर्नाटक राज्य में कांग्रेस आने के आसार दिखाई दे रहे है। इस परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट रूप से उजागर होने में वहां के बदलते राजनीतिक घटनाक्रम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। कर्नाटक में चुनाव होने की घोषणा के साथ हीं सत्ता पक्ष में भगदड़ शुरू हो गई। इसके दो प्रमुख रहे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार एवं पूर्व उप मुख्य मंत्री लक्ष्मण सावदी के कांग्रेस में शामिल होने से भाजपा के चुनावी गणित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के आसार है। इसका राजनीतिक लाभ कांग्रेस को मिल सकता है। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर कर्नाटक की आवाम से जो वायदे किये है उसमें महिलाओं के लिये फ्री बस यात्रा, हर ग्राम पंचायत को एक करोड़ की राशि देने की बात प्रमुख है वहीं सत्ता पक्ष ने डबल इंजन की सरकार बनाने की वकालत की । कर्नाटक में दलित वर्ग के वोट काफी महत्व रखते है। जहां दलित संर्घष समिति के बैनर तले 12 संगठन कांग्रेस को समर्थन दे चुके हे। कर्नाटक में लिंगायत एवं वोक्कालिंगा समुदाय पर भी दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने फोकस किया है जहां इस चुनाव में भाजपा ने लिंगायत समुदाय से 68 प्रत्याशी मैदान में उतारे है वहीं कांग्रेस ने 49 एवं जेडीएस ने 41 प्रत्याशी खड़े किये है। वोक्कालिंगा से भाजपा ने 38, कांग्रेस ने 46 एवं जेडीएस ने 55 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे हे।इन राजनीतिक दलों के आलावे ओवैसी ने भी अपने प्रत्याशी मैदान में उतारे है। कर्नाटक की राजनीति में जाति का वर्चस्व सदैव से हावी रहा है।

वक्फ संपत्तियों को माफियाओं के चंगुल से छुड़ाना

गौतम चौधरी

विगत दिनों भारतीय समाचार माध्यमों में वक्फ की खबरें खूब सुर्खियां बटोरी। वक्फ पर कई आरोप भी मढ़े गए और कई ऐसी खबरें भी चलाई गयी जो वक्फ के अस्तित्व को चुनौती देने वाली थी। आज हम उन्हीं खबरों की पड़ताल करने की कोशिश करेंगे। वक्फ शब्द का शाब्दिक अर्थ समर्पित होता है। मुसलमान, धर्मार्थ या धार्मिक उद्देश्यों के लिए अपनी संपत्ति का एक हिस्सा समर्पित करते हैं। भारत के लगभग प्रत्येक राज्य में वक्फ बोर्डों की स्थापना की गई और उनके पंजीकरण और उपयोग की निगरानी और विनियमन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक केंद्रीय वक्फ परिषद की स्थापना की गई है। वक्फ संपत्तियों का उपयोग कर अमूमन सार्वजनिक कल्याण के लिए कब्रिस्तान, मस्जिद, मदरसे, अनाथालय, अस्पताल, क्लीनिक और शैक्षणिक संस्थान बनाए जाते हैं। हालांकि, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों सहित लगभग सभी धर्मार्थ संस्थान सभी धर्मावलंबियों के उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। इसमें जाति या धर्म का कोई बैरियर नहीं होता। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने 2017 की शुरूआत में मीडिया को बताया था, ह्यह्यजब से वक्फ बोर्डों की स्थापना हुई है, तब से खाली संपत्तियों का एक मुद्दा रहा है, जिसे मैं वक्फ माफिया कहता हूं।ह्लह्ल इन संपत्तियों पर मुसलमानों के लाभ के लिए मॉल, शैक्षिक संस्थान, छात्रावास और कौशल केंद्र बनाये जायेंगे। एक नजर उत्तर प्रदेश में वक्फ संपत्तियों पर अगर डाले तो पता चलता है कि सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड उत्तर प्रदेश राज्य में 1.5 लाख से अधिक संपत्तियों का मालिक है, जबकि शिया वक्फ बोर्ड 12,000 से अधिक संपत्तियों का मालिक है। सीडब्ल्यूसी को यूपी वक्फ संपत्तियों के कुप्रबंधन के बारे में उत्तर प्रदेश से कई शिकायतें मिलने के बाद, उत्तर प्रदेश और झारखंड वक्फ बोर्डों के प्रभारी सैयद एजाज अब्बास नकवी ने तथ्यों की जांच के लिए एक जांच समिति का बनाई और खुद की निगरानी में जांच भी किया। समिति ने अपनी रिपोर्ट में विस्तार से बताया कि कैसे एक मंत्री के रूप में आजम खान ने कथित तौर पर वक्फ बोर्ड के तहत संपत्ति हासिल करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया।

न्यूज फ्लैश

गांव पांची जाटान खेत से किसान की हैरो चोरी, मामला दर्ज

गन्नौर: गांव पांची जाटान के खेत से किसान की हैरो चोरी होने का मामला सामने आया है। थाना गन्नौर में हैरो चोरी होने की किसान सतबीर ने शिकायत दी। जिसमें उसने बताया कि गांव के बस अड्डे से थोड़ी दूरी पर खेत के कोठड़े के निकट उसकी ट्राली, हैरो, क्लटीवेटर व अन्य समान रखा रहता है। शनिवार की शाम जब वह खेत में था तो सारा सामान वहीं रखा था, लेकिन रविवार को सुबह खेत से हैरो चोरी हुआ मिला। पुलिस ने किसान की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नव ज्योति स्कूल में श्रमिक वर्ग का सम्मान व उनके हितों की रक्षा करने की शपथ ली

गन्नौर। खुबडू भांवर स्थित नव ज्योति शिक्षा सदन में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने अलग-अलग व्यवसायों एवं कार्यों के अनुसार पोशाक पहन श्रमिक वर्ग का सम्मान करने व उनके हितों की रक्षा करने की शपथ ली। इस अवसर पर बस संचालकों, सफाई कर्मचारियों, शिक्षकों एवं विभिन्न व्यवसायों से जुड़े श्रमिकों की पोशाक धारण करने वाले विद्यार्थियों का फूल माला पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाविप अध्यक्ष एवं स्कूल प्राचार्य राजेंद्र कौशिक ने श्रमिकों को शुभकामना पत्र एवं विद्यार्थियों द्वारा निर्मित कपड़ों के थैले भेंट कर सम्मानित किया।

श्रमिक दिवस के महत्व के बारे में छात्रों को अवगत करवाया

गन्नौर: जीटी रोड स्थित हैप्पी चाइल्ड इंटरनेशनल स्कूल ने श्रमिक दिवस को धन्यवाद दिवस के रूप में मनाया। स्कूली छात्रों ने कविता के माध्यम से श्रमिकों का महत्व समझाते हुए उनका धन्यवाद भी किया। इसके अलावा छात्रों ने लघु नाटिका के माध्यम से श्रमिक द्वारा किए जाने वाले श्रम, सहयोग व लग्न को प्रदर्शित किया। स्कूल प्राचार्या उषा मलिक ने बच्चों को श्रमिक वर्ग का सम्मान करने की प्रेरणा दी। इसके बाद स्कूल प्रबंधक सुनील नागपाल, संजय नागपाल व रीटा नागपाल ने स्कूल में कार्य कर रहे श्रमिकों को सम्मानित कर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

सलारगंज गेट से लेकर ड्रेन नंबर एक तक बनेगी सीसी सडक: प्रमोद

पानीपत: पानीपत शहर के वार्ड 9 में 38 लाख रूपए की लागत से सलारगंज गेट से लेकर ड्रेन नंबर एक तक सीसी सडक बनाई जाएगी। सडक की हालत खराब होने पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं सोमवार को शहरी विधायक प्रमोद विज ने अंतरर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रमिकों से ही सडक का शिलान्यास करवाया। इस मौके पर 11 श्रमिकों ने संयुक्त रूप से नारियल तोडकर सडक निर्माण कार्य का शिलान्यास किया और विधायक प्रमोद विज ने श्रमिकों को भगवान विश्वकर्मा की फोटो भेट कर उनका सम्मान किया। इसके लिये श्रमिकों ने विधायक प्रमोद विज का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पार्षद पति अशोक नारंग, मंडल अध्यक्ष प्रीतम गुर्जर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्राण रत्नाकर, पूर्व मंडल अध्यक्ष राममोहन शर्मा और देवी मंदिर के प्रधान काकू बंसल आदि मौजूद रहे। वहीं विधायक प्रमोद विज ने वार्ड 11 की चावला कॉलोनी में 18 लाख रूपए की लागत से गलियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस मौके पर पूर्व पार्षद रामकुमार सैनी व पार्षद कोमल सैनी आदि मौजूद रहे।

मजदूरों के परिश्रम, दृढ़ निश्चय और निष्ठा का दिन है अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस

ज्ञान गंगा मांटेसरी एवं मॉडल स्कूल में उत्साह पूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
ज्ञान गंगा मांटेसरी एवं मॉडल स्कूल, न्यू नंदवानी नगर में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया । मजदूरों के प्रति सम्मान की भावना व्यक्त करने के लिए विशेष सभा का आयोजन किया गया । इस मौके पर विद्यार्थियों ने श्रम व श्रमिकों के योगदान पर भाषण एवं कविता की शानदार प्रस्तुती दी । नन्हे-मुन्ने बच्चों ने कार्ड एवं बुके देकर विद्यालय के चतुर्थ श्रेणी के

कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट किया । इस मौके पर प्राचार्या रिचा चावला ने सभी चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया । प्राचार्या रिचा चावला ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस लाखों मजदूरों के परिश्रम, दृढ़ निश्चय और निष्ठा का दिवस है। एक मजदूर देश के निर्माण में बहुमूल्य भूमिका निभाता है और उसका देश के विकास में अहम योगदान होता है।उन्होंने कहा किसी भी समाज, देश, संस्था और उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों की अहम भूमिका होती है। मजदूरों के बिना किसी भी औद्योगिक ढांचे के खड़े होने की कल्पना नहीं की जा सकती इसलिए श्रमिकों का समाज में अपना ही एक स्थान है। इस मौके पर छात्रा दिशा ने कहा कि श्रमिकों के संघर्ष और उनकी श्रम को सम्मान देने के लिए हर साल 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है । श्रमिकों ने विश्व को मजबूत और समृद्ध बनाने के लिए अपना अहम योगदान दिया है। बच्चों ने सुंदर-सुंदर कार्ड एवं चार्ट बनाकर श्रमिकों के प्रति सम्मान की भावना को व्यक्त किया।अध्यापिका मंजू गांधी ने अपने विचार प्रस्तुत हुए कहा कि मजदूर दिवस मनाने का उद्देश्य श्रमिकों के हितों एवं हक के बारे में जागरूकता लाना है। कोऑर्डिनेटर नीरू ने श्रमिक दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कर्मचारियों के बिना विद्यालय एवं छात्रों उन्नति संभव नहीं है।

प्रयास इंटरनेशनल स्कूल ने श्रमिकों का किया सम्मान

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर
प्रयास इंटरनेशनल स्कूल में सोमवार को श्रमिक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें प्राचार्य कृष्ण मलिक, रजिस्ट्रार डा. मनोज के अलावा शिक्षकों व छात्रों ने श्रमिक दिवस के अवसर पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने वक्तव्य में श्रम व श्रमिक का सम्मान करने की बात कही। इस अवसर पर विद्यालय के सभी श्रमिकों का विद्यालय प्रशासन द्वारा अभिनंदन किया गया। सभी विद्यार्थियों को भी श्रमिकों के साथ अच्छा व्यवहार करने की शपथ दिलाई गई। इसके बाद स्कूल में कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के बीच अंग्रेजी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता को चार सदनों में विभाजित किया गया था। जिसमें एलिट सदन प्रथम, टाइटन सदन द्वितीय, पायनियर सदन ने तृतीय तथा होराइजन चौथे स्थान पर रहा। स्कूल प्राचार्य ने विजेताओं को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए।

मजदूर दिवस पर हुडा पार्क के बाहर प्याऊ स्थापित

टीम एक्शन इंडिया/दिनेश यादव
महेंद्रगढ़
मजदूर दिवस के अवसर पर आज जिला लेबर विभाग द्वारा हुडा पार्क महेंद्रगढ़ के बाहर प्याऊ स्थापित की गई। प्याऊ का शुभारंभ लेबर इंस्पेक्टर सत्यवान कूंडू ने किया। उन्होंने बताया कि इस दिन को मनाने का मकसद लोगों व श्रमिकों उनकी स्थिति और उनकी समस्याओं के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि मजदूर दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के संघर्ष को बताना और उनके द्वारा किए गए बलिदानों को याद करना है। इस दिन मजदूरों और श्रमिकों को उनके काम के लिए सराहना और उपलब्धियां दी जाती हैं। साथ ही उन्हें अपने अधिकारों को रक्षा करने और अपने प्रति होने वाले शोषण के खिलाफ आवाज आवाज को प्रेरित किया जाता है।

तूड़ा रखने के विवाद में युवक पर किया जानलेवा हमला

सोनीपत: राई थाना क्षेत्र के गांव जाखौली में युवक पर जानलेवा हमला कर घायल करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप का मामला सामने आया है। घायल को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से उसे हालत गंभीर होने के चलते पीजीआई रेफर कर दिया। परिजन उसे निजी अस्पताल में ले गए। जहां उसका उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। गांव जाखौली निवासी निवासी शिवकुमार ने बताया कि वह गांव में पंचायती जमीन पर तूड़े का भंडारण करता है। वह आठ साल से वहां पर तूड़े का भंडारण कर रहा है। पिछले दिनों उक्त जगह पर तूड़े का भंडारण किया था। अब गांव के राकेश और रविंद्र उनके पास आए और वहां से तूड़ा का भंडारण हटा लेने की चेतावनी देने लगे।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमिकों को किया सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाखौली में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को बताया कि श्रमिक मेहनत से दूसरों का आशियाना व अपनी आजीविका चलाने के लिए कार्य करते हैं। हम सभी ने श्रमिकों का मान सम्मान करना चाहिए। उनके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। प्रत्येक वर्ष एक मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया जाता है लगभग 80 देशों में श्रमिकों को राष्ट्रीय छुट्टी भी दी जाती है विश्व में सर्वप्रथम 1 मई 1886 को मनाया गया था भारत देश में श्रमिक दिवस पहली बार 1 मई 1923 को मनाया गया । प्रार्थना सभा के उपरांत स्टेट अवार्डी दिलबाग सिंह ने तीन श्रमिकों मनोज मिस्त्री, वेदपाल श्रमिक,राधे श्रमिक को पैंट-कमीज व बिस्किट उपहार स्वरूप देकर सम्मानित किया। उनका व उनके परिवार को स्वस्थ रखने की ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर राजेंद्र मलिक, संजय कुमार, सुरेंद्र कुमार ,संजय ए बी आर सी, सुमन मलिक ,ललिता ,मुकेश कुमारी, किरण, रीना देवी, सुषमा रानी देवी, संजना शर्मा व विद्यार्थीगण आदि उपस्थित रहे।

सेहलंग बाघोत कट बनाने के लिए आश्वासन नहीं धरातल पर काम चाहिए: गोमला

टीम एक्शन इंडिया/संजय सिंह
नारनौल
सेहलंग और बाघोत के बीच एंट्री और एग्जिट कट की मांग को लेकर 40 से अधिक ग्राम पंचायतों के लोग लगातार 50वे दिन नेशनल हाईवे 152डी पर कट की मांग को लेकर धरने पर बैठे। सोमवार को अध्यक्षता ओमप्रकाश पीटीआई नौताना ने की। इस मौके पर समाजसेवी एवं गोमला के पूर्व सरपंच राधेश्याम गोमला ने धरने पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधियों की तरफ से आश्वासन तो काफी मिल चुके हैं लेकिन अभी तक धरातल पर कोई काम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अब आश्वासनों से काम नहीं चलने वाला और यदि सरकार ने इस पर

जल्द कार्रवाई नहीं की तो आने वाले समय में इसके लिए जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। राधेश्याम गोमला ने कहा कि 152डी पर कट की मांग बहुत ही जायज मांग है और इससे 4 जिलों के लोगों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि यदि धरातल पर कार्य जल्दी शुरू नहीं किया गया तो संघर्ष समिति के लोगों के साथ बैठकर आगामी रणनीति पर काम किया जाएगा और यदि आवश्यकता पड़ी तो इसके लिए जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। संघर्ष समिति के सयोजक रणधीर पहलवान बाघोत व तेज सिंह नौसवा ने बताया कि आज संघर्ष समिति व 40 गावों के लोगो ने आपसी सहमति से एक बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं और आंदोलन को लेकर कमेटिया गठित की है, जल्दी ही सारी कमेटियो को उनका दायित्व दे दिया जायेगा। इस मौके पर लीलाराम बाघोत व महेंद्र सिंह थानेदार सेहलंग ने बताया कि हम पिछले 50 दिनों से इलाके की जायज मांग को लेकर धरने पर बैठे हुए है । यहां पर सभी पार्टियों के जन प्रतिनिधि धरने पर आकर कार्य को जल्द करवाने का आश्वासन दे चुके है परन्तु धरातल पर अभी तक कुछ भी नही हुआ है। जिससे 40 गावो के लोगो के अंदर जबरदस्त रोष है क्योंकि हरियाणा के अंदर बेरोजगारी दर पहले ही देश में सबसे ज्यादा है और यदि यह कट नही बनता है तो लोकल इकॉनमी नही खुल पाएगी जिससे यहां के पढ़े लिखे युवा बेरोजगार रहेंगे और युवाओं ने अपना रोष प्रकट करते हुए जल्द ही जन प्रतिनिधियों के खिलाफ फैसला लेना का निश्चय किया जाएगा। इस मौके पर संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय सिंह चेयरमैन नौताना ,राज सिंह पूर्व पार्षद, सावल भुर्जत, प्रवीण आदलपुर,हरकेश अघियर, ध्रवेंद्र यादव बालरोड,मखन लाल स्वामी बसई , राजेश कुमार कोसली,मैनपाल बाबूजी सेहलंग, मुख्तार सिंह सेहलंग,प्रधान लालाराम पोता, बेड़ा सिंह एक्स सरपंच बागोत, धर्मपाल भलेरा सेहलंग, एडवोकेट केपी यादव सेहलंग,सत्यपाल चेयरमैन पोता, सेरसिंह पोता,हरिओम यादव पोता व सभी गावों के वर्तमान व पूर्व सरपंच,बीडीसी सदस्य व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डॉ. चोपड़ा पैथ क्लिनिक ने फ्री प्रीवेंटिव हेल्थ चैकअप कैंप का आयोजन किया

गाजियाबाद। गाजियाबाद में स्थित पैथोलॉजी लैब डॉ. चोपड़ा पैथ क्लीनिक भारत के प्रमुख सोलर पैनल निमार्ता गौतम सोलर के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के साथ साझेदारी में शहर के भीतर कई जगहों पर निशुल्क निवारक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने जा रहा है। डॉ. चोपड़ा पैथ क्लीनिक को एनएबीएल और आईसीएमआर से मान्यता मिली हुई है। शिविरों का उद्देश्य गाजियाबाद के लोगों को सस्ती और सुलभ हेल्थ चैकअप संबंधी सुविधा देना और बीमारियों के शुरूआती लक्षणों का पता लगाना है। इसके अलावा शिविर नियमित हेल्थ चैकअप को लेकर लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने का भी काम करेगा। शिविर अप्रैल 2023 से जून 2023 तक गाजियाबाद के अलग-अलग जगहों पर आयोजित किए जाएंगे। इसमें आवासीय सोसायटी से लेकर वॉक-इन-लैब्स और डॉक्टरों के परिसर शामिल हैं। कुल मिलाकर 18 प्रिवेंटिव हेल्थ चैकअप कैंप आयोजित किए जाने हैं। इसमें शहर भर के एक हजार से ज्यादा लोगों की जांच की जाएगी। पहला शिविर रविवार, 30 अप्रैल 2023 को सुबह 5 बजे से 10 बजे तक गुलमोहर एन्क्लेव के सामुदायिक केंद्र में आयोजित किया जाना है। इसके बाद, ये शिविर हर रविवार को विभिन्न आवासीय सोसायटियों में आयोजित किए जाएंगे।

हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री सलाहकार से मिला

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत
हरियाणा भवन दिल्ली में हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स ट्रेड रजिस्टर के प्रदेश अध्यक्ष आरपी वशिष्ठ के नेतृत्व में पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के मीडिया सलाहकार अमित आर्य से मिला। जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा हरियाणा के पत्रकारों की पेंशन बढ़ोतरी को लेकर एक धन्यवादी पत्र अमित आर्य को सौंपा। उसके लिए प्रतिनिधिमण्डल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। अमित आर्य ने कहा कि पत्रकारों की जो बकाया मांगे हैं उनको भी मुख्यमंत्री जल्द पूरा कराने की जल्द ही कोशिश करेंगे। इस मौके पर आर पी वशिष्ठ अजय जैन, राजीव शर्मा, प्रवीण ठाकुर और कई पत्रकार मौजूद रहे।

नवनियुक्त कार्यकारी अधिकारी नरवाल ने संभाला कार्यभार

साफ-सफाई, शहर को अतिक्रमण से मुक्त करवाना व एनडीसी में आ रही समस्याओं पर फोकस

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) सोमवार को नगर परिषद कार्यालय थानेसर में नवनियुक्त कार्यकारी अधिकारी देवेंद्र नरवाल ने पदभार ग्रहण कर लिया। देवेंद्र नरवाल ने कार्यभार संभालने के बाद सुबह कार्यालय की प्रत्येक शाखा का अधिकारियों को साथ लेकर निरीक्षण किया। मीटिंग में नवनियुक्त कार्यकारी अधिकारी देवेंद्र नरवाल ने कहा कि उनका ज्यादा फोकस शहर की साफ-सफाई, शहर को अतिक्रमण से मुक्त करवाना, एनडीसी में आ रही समस्याओं का हल करवाना, बीआई ब्रांच, लंबित पड़ी सीएम विंडो व आरटीआई का समाधान करने पर रहेगा।

कार्यकारी अधिकारी नरवाल ने कहा कि काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं होगी। जो कोई भी अपने कार्य को समय पर नहीं करेगा उस कर्मचारी पर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी, इसलिए सभी कर्मचारी अपने कार्य को ईमानदारी और लगन के साथ करें। उन्होंने कहा कि खासकर एनडीसी लेने में आ रही दिक्कतों को जल्द दूर किया जाएगा।

8 देवेंद्र ने कार्यभार संभालने के बाद सुबह कार्यालय की प्रत्येक शाखा का अधिकारियों को साथ लेकर निरीक्षण किया

जेएलएन नहर में डूबे यश का दूसरे दिन भी नहीं लगा सुराग

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर।
रविवार को दोपहर बाद बजाना खुर्द के पास से गुजर रही जेएलएन नहर में दोस्तो के साथ नहाते समय डूबे 14 वर्षीय यश का दूसरे दिन भी पता नहीं चल पाया है। खुबडू चौकी से एसआई सुखबीर व एसईपीओ जयभगवान राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम से आए 4 गोताखोर नांव व दूसरे साधनों की मदद से यश को नहर में ढूंढने में लगे रहे, लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं मिला। बता दें कि बजाना खुर्द गांव का रहने वाला 14 वर्षीय यश रविवार को अपने दोस्तों के साथ बजाना कला के पास से गुजर रही जेएलएन नहर में नहाने आया था। जैसे ही यश

अपने दोस्तों के साथ नहाने के लिए नहर में उतरा तो उसका अचानक पैर फिसल गया और वह नहर में डूब गया। यश के दोस्तों ने गांव में पहुंच कर यश के घरवालों को उसके डूब जाने की जानकारी दी। सूचना के बाद चौकी से एएसआई सुखबीर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और यश को ढूंढने के प्रयास शुरू कर दिए हैं, लेकिन अभी तक यश का पता नहीं चल पाया है। यश गांव के निजी स्कूल में नौंवी कक्षा में पढ़ता था।

भोंडसी पुलिस अकादमी से एसडीआरएफ टीम में आए 4 गोताखोर
एसआई सुखबीर ने बताया कि किशोर यश को ढूंढने के लिए भोंडसी पुलिस अकादमी से एसडीआरएफ टीम के 4 गोताखोर सोमवार को सुबह ही नहर में उतर गए थे। अलग-अलग तरीके से नहर में डूबे यश का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। सोमवार को टीम ने बजाना खुर्द से मोई हुड्डा, कासंडी, सरगथल, लाठ जौली तक तलाश की। एसईपीओ जयभगवान व दमकल विभाग की टीमें भी यश की तलाश में जुटी हुई हैं।

पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत की एनएसएस इकाई ने अपने प्रमुख कार्यक्रम विवृति के तहत एक पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। एनएनएस इकाई प्रभारी डॉ अमित गुलेरिया ने बताया कि माननीया कुलपति डॉ अर्चना मिश्रा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जल शक्ति अभियानः कैच द रेन 2023 की थीम के अनुरूप था, जिसका विषय पेयजल के लिए स्रोत स्थिरता

था। इस कार्यक्रम में सभी बैचों के छात्रों ने थीम से संबंधित पोस्टर बनाकर भाग लिया। छात्रों ने न कवक पोस्टर बनाया बल्कि थीम से संबंधित विषय पर विचार भी साझा किए। पोस्टर बनाने के लिए छात्रों को एक घंटे का समय दिया गया जिसमें उन्हें विषय के साथ-साथ समय की आवश्यकता को दशार्ने वाले भी पोस्टर बनाना था। छात्रों द्वारा बनाए गए पोस्टर को आगे की प्रस्तुति के लिए चिन्हित किया गया और विश्वविद्यालय की दीवार पर लगाया जायेगा।

डिहाइड्रेशन का संकेत हैं ये 5 बातें

गर्मी में रहें सावधान

डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी हो जाना। गर्मी में डिहाइड्रेशन की समस्या आम है। इसका कारण यह है कि गर्मी में हमारे शरीर से पसीना निकलता है और शरीर के तापमान को संतुलित करने के लिए ज्यादा पानी की जरूरत पड़ती है। ऐसे में अगर आप कम पानी पीते हैं, तो डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। कई बार डिहाइड्रेशन या हीट स्ट्रोक के कारण व्यक्ति की मौत भी हो जाती है इसलिए इससे बचाव जरूरी है। आइए आपको बताते हैं डिहाइड्रेशन के संकेत।

आठ घंटों से पेशाब न आना

पर्याप्त पानी पीते हैं, तो आमतौर पर 30 मिनट से 4 घंटे के अंतराल पर आपको पेशाब लगती है। मगर यदि आपको लगातार 8 घंटों से पेशाब नहीं आई है, तो ये डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है।

पेशाब का गहरा पीला रंग

कई बार दवाओं का सेवन करने से पेशाब का रंग पीला हो जाता है। मगर यदि आप दवाओं का सेवन नहीं करते हैं, यानी सामान्य स्थिति में भी आपके पेशाब का रंग गहरा पीला, बदबूदार है या बहुत कम मात्रा में पेशाब हुई है, तो ये भी डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है।

अचानक चक्कर आना और अंधेरा

डिहाइड्रेशन का स्तर बढ़ जाने पर व्यक्ति को अचानक चक्कर आने, आंखों के आगे अंधेरा छाने या तेज सिरदर्द की समस्या हो सकती है। ऐसी स्थिति में जितनी जल्दी हो सके, व्यक्ति को पानी के बजाय दूसरे तरल पदार्थ जैसे- नींबू पानी, नारियल पानी, छाछ आदि देना चाहिए।

होंठ फटना और त्वचा का रूखापन

डिहाइड्रेशन होने पर शरीर में पानी की कमी होने के कारण व्यक्ति की त्वचा रूखी हो जाती है और होंठ फटने लगते हैं। यानी होंठों का फटना या त्वचा पर सफेद रेखाएं डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकती हैं। कई बार त्वचा पर लाली भी छा जाती है।

सिरदर्द

शरीर में पानी की कमी के कारण भी सिरदर्द हो सकता है। सिरदर्द के ज्यादातर मरीजों में डिहाइड्रेशन की समस्या पाई जाती है। दिमाग एक प्रकार के द्रव की झिल्ली में होता है, यह खोपड़ी को शांत रखने में मदद करता है।

खूबसूरत आंखों के लिए खास है डार्क ग्रीन और यैल्लो काजल

क्या आप काजल को सही ढंग से लगाने के तरीके के बारे में जानती हैं। गलत तरीके से लगाया गया काजल आंखों की खूबसूरती बढ़ाता नहीं, बल्कि वो आंखों की शोभा को पहले से कम कर देता है। अपनी आंखों में लंबे समय तक काजल को लगाए रखना चाहते हैं, तो काजल के रंग के शेड का ही आईशेडो इस्तेमाल करें। इसे इस्तेमाल करने के लिए एक फ्लैट ब्रश को लेकर उस पर आई शैडो लेकर काजल की तरह इस्तेमाल करें। ऐसा करने से काजल देर तक आपकी आंखों में लगा रहेगा।

इसके अलावा अपनी आंखों के काजल को फैलने से बचाना चाहते हैं, तो आंखों को साफ करने के लिए हमेशा कॉटन या वेट टिश्यू पेपर का इस्तेमाल करें। शायद ही कोई लड़की हो, जो काजल ना लगाती हो। सिर्फ काले रंग के काजल से काम नहीं चलेगा, क्योंकि जहां दुनिया इतनी आगे निकल रही है तो क्यों न आप भी कुछ नया करें तो आइए जानते हैं उन सभी बेहतरीन काजल के बारे में-

- लॉन्ग लास्टिंग नेवी ब्लू कलर के काजल से आंखों को शाइनी लुक
- सिल्वर आई लाइनर (काजल) पार्टी के लिहाज से काफी अच्छा है।
- वॉयलेट शेड वाले आई लाइनर भी आपकी आंखों को एक नया लुक देंगे।
- आई-ग्लाइड आई पेंसिल गोल्ड काजल ना क्रीज होता है या स्मज्ड, काजल न्यूड टोन में है, तो इसका नॉन-शिमरी फॉर्मूला आपको नो-मेकअप लुक देगा।
- यल्लो नियॉन शेड काजल इसका इस्तेमाल आईलाइनर और लिप लाइनर की तरह भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

रेसिपी

बादाम वाला दूध

सामग्री

- 1 गिलास- उबला हुआ सादा दूध
- 4 बादाम- बारीक कटे
- 4 किशमिश- कटी हुई
- इलायची पाउडर- 1 चुटकी
- चिरौंजी- 1/2 स्पून
- 2 आइस क्यूब्स
- स्वादानुसार चीनी

विधि

सबसे पहले दूध को उबाल लीजिए। उबलने के बाद जब ये नॉर्मल हो जाए, तो फ्रिज में ठण्डा करने के लिए रख दें। अब सारी मेवा को बारीक काट लें और एक बाउल में रख दें। आप चाहें तो इनके अलावा और भी मेवा यानि (ड्राई फ्रूट्स) को इसमें शामिल कर सकती हैं। अब इलायची को छीलकर उसका पेस्ट बना लीजिए। जब मिल्क ठंडा या नॉर्मल हो जाए तो उसे फ्रिज से निकाल लें। अब मिल्क में स्वादनुसार चीनी डालकर मिक्सी में ग्राइंड कर लें। यदि मिक्सी या ग्राइंडर न हो, तो अलग से भी चीनी मिक्स करके घोल लें। जब चीनी मिल्क में अच्छी तरह से मिक्स हो जाए सारे मेवा के साथ इलायची पाउडर इसमें डाल दें। और बचे दो आइस क्यूब्स को डालकर इसे ठंडा-ठंडा पीएं। आप चाहें तो थर्मोस्टील बोतल में भरकर अपने साथ ऑफिस या कॉलेज ले जा सकती हैं। ये आपको एनर्जी के साथ पोषण भी देगा। बच्चों के लिए बहुत सेहतमंद रहेगा। एक बार समर सीजन में जरूर ट्राई करें।

राजस्थान की राजकचौड़ी

सामग्री

- 300 ग्राम मोठ अंकुरित
- 4 उबले हुए आलू
- 250 ग्राम मैदा
- 100 ग्राम बेसन
- तलने के लिए तेल
- स्वादनुसार नमक
- 1/2 टी स्पून देगी मिर्च
- 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर
- 500 ग्राम दही
- 1/2 कप इमली की चटनी
- 1/2 कप हरी चटनी

विधि

सबसे पहले मैदा को पानी से अच्छी तरह से गूंथ लें। इसके बाद बेसन में थोड़ा-सा तेल, देगी मिर्च और नमक डालकर गूंथ लें। अब मैदे की छोटी-छोटी लोइयां बनाएं और उसमें बेसन की छोटी गोली भर कर पूरी के आकार में बेलें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें और पूरियों को करारा तल लें। मोठ को उबाल कर उसमें नमक, मिर्च, गरम मसाला, उबले हुए आलू मिलाएं और कचौड़ी में भरें, दही में नमक मिलाएं और तैयार राजकचौड़ी के बीच में डालें। ऊपर से मीठी और हरी चटनी डालें। बीकानेरी भुजिया और अनार के दानों से सजाकर परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। कम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। कम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम होगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। घर-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। घर-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार होंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम होगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। घर-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा- 'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला- 'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा- 'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!' वह आदमी कड़क आवाज में बोला- 'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

□ □ □

बेटा- 'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता- कितने अंक मिले हैं.

बेटा- 'शून्य,शून्य,शून्य !'

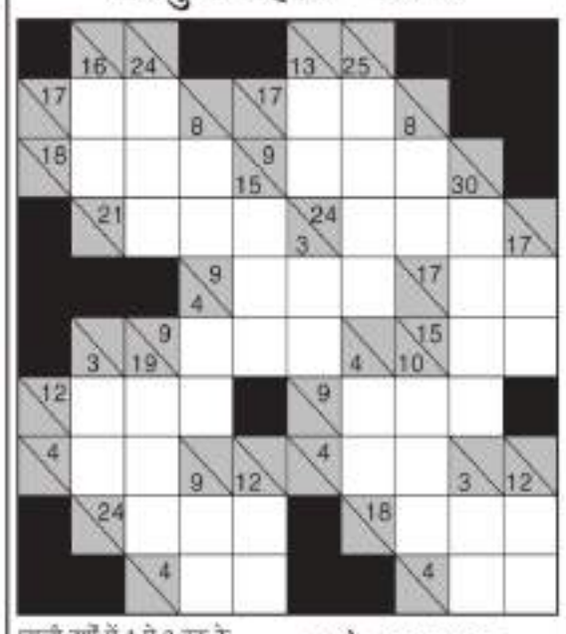

□ □ □

काकुरो पहेली - 678

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 677 का हल

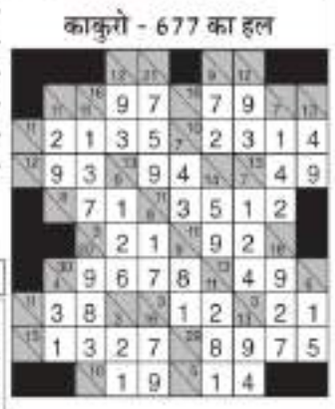

फिल्म वर्ग पहेली - 678

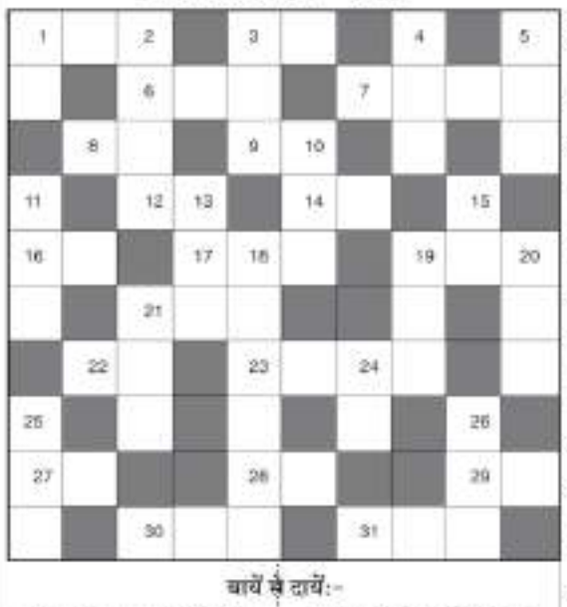

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मोनाका की 'दुनिया हसीनों का' गाना वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गाना वाली प्रदीपकुमार, नंदिता की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमीं' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग भरा बहार वाली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंग दे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बावक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२५. अमिताभ, अमृता की 'दिल यू मेरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँधी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरे भूरे आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, अरविन्द, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. अमिताभ, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैकयी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'ओ बाबा ओ बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 677

सूडोकु -678

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -677 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

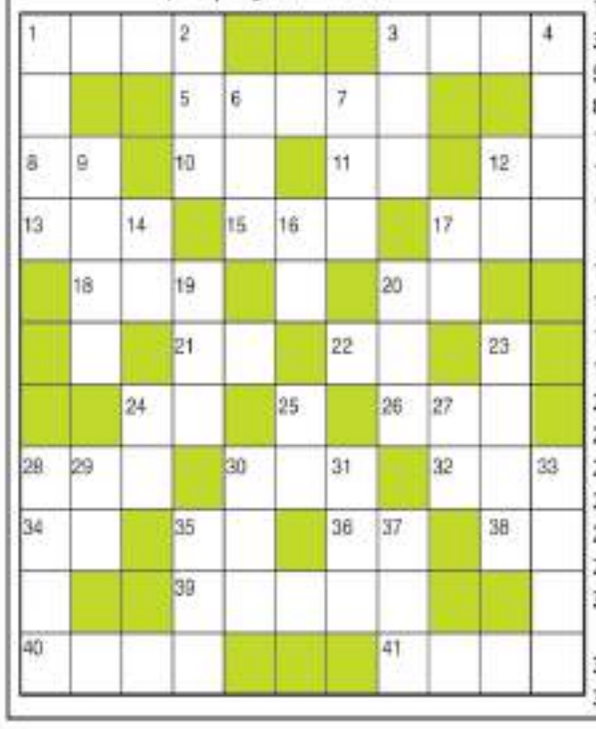

शब्द पहेली - 678

बाएँ से दाएँ

1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़,भिड़ंत-4
5. क्रोधित होना-5
8. लाश,पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख,नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा,लाभ-2
21. चिट्ठी,पत्र-2
22. जी,चित्त-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना,दबाना-3
28. टाइम,एक काल-3
30. मांस जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी,पुलाव-3
34. मां,आई-2
35. भाग (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब,किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1. दलाली-4
2. स्वदेश,जन्मभूमि-3
3. ढौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड,आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जोंक,कणिका-2
14. थोड़ा,जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित,रुष्ट-2
19. जदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. शिक्षा-2
25. उम्मीद-2
27. खोट,अपिमत-2
28. धरोहर,थाती-4
29. शिखा-2
30. नकद राशि,रोकड़-3
31. संधिपत्र,मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अटूट,तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -677 का हल

प्रधानमंत्री मोदी ने सात्विक और चिराग को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बने सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बधाई दी है। विश्व चैम्पियनशिप 2022 कांस्य पदक विजेता भारतीय जोड़ी दुबई में फाइनल में पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए मलेशिया के ओंग यू सिन और तियो ई यि को 16 . 21, 21 . 17, 21 . 19 से हराया। इससे पहले इस चैम्पियनशिप में भारत के लिये स्वर्ण सिर्फ दिनेश खन्ना ने जीता था जब उन्होंने 1965 में लखनऊ में थाईलैंड के संगोब रत्तनुसोर्न को पुरुष एकल फाइनल में हराया था। मोदी ने ट्वीट किया ,'' सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर गर्व है जो बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। उन्हें बधाई और भविष्य के लिये शुभकामनायें।''

डेवोन कॉनवे का सीजन में 5वां अर्धशतक, शतक न बना पाने पर कही यह बात

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे सीजन में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पंजाब के खिलाफ सीजन में 5वां अर्धशतक लगाया। कॉनवे ने राजस्थान के खिलाफ 50, बेंगलुरु के खिलाफ 83, हैदराबाद के खिलाफ 77, कोलकाता के खिलाफ 56 तो अब पंजाब के खिलाफ 92 रन बनाए हैं। वह सीजन में 414 रन बना चुके हैं। पहले नंबर पर यशस्वी जायसवाल (428 रन) तो दूसरे पर फाफ डुप्लेसिस (422 रन) है।

पुरुषों के टी20 क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी औसत (न्यूनतम 5000 रन)

44.41 - डेवोन कॉनवे
44.02 - बाबर आजम
43.95 - मोहम्मद रिजवान
42.31 - केएल राहुल
41.05 - विराट कोहली

92 रन की पारी खेलने के बाद डेवोन कॉनवे ने कहा कि यहां शुरुआत में विकेट थोड़ा धीमा था। गेंदबाजों ने हार्ड लेंथ पर अटैक किया था। जब भी आप बल्लेबाजी करने जाते हैं तो आपको अच्छा और स्पष्ट होना होता है। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि 100 न बना पाने से मैं निराश हूं। यह टीम के लिए था। वह (धोनी के दो छक्के) जब बल्लेबाजी कर रहे थे तब काफी अच्छा माहौल था।

मैच की बात करें तो चेन्नई ने पहले खेलते हुए गायकवाड़ के 37, डेवोन कॉनवे के 52 गेंदों में 92, शिवम दुबे के 28 तो धोनी के 4 गेंदों पर 13 रनों की बदौलत 200 रन बनाए थे। जवाब में पंजाब को प्रभसिमरन 42 और शिखर धवन 28 रन तेज शुरूआत दी। लिविंगस्टोन ने 40 रन बनाए। अंत में सिकंदर रजा ने कुछ अच्छे शॉट लगाकर टीम को जीत दिला दी।

मैड्रिड ओपन :अलकाराज पहले दौर में उलटफेर का शिकार होने से बचे

मैड्रिड। गत चैम्पियन स्पेन के कार्लोस अलकाराज मैड्रिड ओपन के पहले दौर में फिनलैंड के 41वीं वरीयता प्राप्त एमिल रूसुवुओरी के हाथों उलटफेर का शिकार होने से बाल बाल बचे। अगले महीने 20 वर्ष के होने जा रहे अलकाराज ने यह मुकाबला 2.6, 6.4, 6.2 से जीता। अब उनका सामना ग्रिगोर दिमित्रोव से

होगा जिन्होंने ग्रेगोइर बारेरे को 6.0, 5.7, 6.3 से मात दी। 5वीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रुब्लेव ने स्टान वावरिंका को 7.5, 6.4 से हराया। महिला वर्ग में नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने आस्ट्रिया की जूलिया ग्राबेर को 6.3, 6.2 से हराया।

रोहित भी हुए हैरान, बोले- मैंने उससे पूछा कि वो इतनी ताकत कहां से लाता है

मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस युवा बल्लेबाज के स्ट्रोक्स की ताकत को देखकर वह हैरान थे। राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने मुंबई के खिलाफ 62 गेंदों में 124 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और आठ छक्के शामिल हैं।

रोहित ने मैच के बाद कहा,'' मैंने उसे पिछले साल खेलते हुए देखा था और इस साल वह अपने खेल को अगले स्तर पर ले गया है। मैंने उससे पूछा कि वह इतनी ताकत कहां से लाता है। उसने कहा कि वह जिम जाता है। उसका यह प्रदर्शन उसके लिए, भारतीय क्रिकेट के लिए और राजस्थान

रॉयल्स के लिए अच्छा है।' जायसवाल को उनकी शानदार पारी के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने कहा कि वह कड़ी मेहनत करना और प्रक्रिया पर अपना ध्यान बनाए रखना चाहते हैं। जायसवाल ने कहा,'' मैं प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित रखना और कड़ी मेहनत करना चाहता हूं। मैं खुद पर विश्वास बनाए रखना चाहता हूं। मैं सकारात्मक सोच रखता हूं तथा एक अच्छी और आदर्श जीवन शैली जीता हूं जिससे मुझे फायदा मिलता है। मुझे स्ट्रेट ड्राइव और कवर ड्राइव खेलने में मजा आता है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है।'

संजय मांजरेकर ने की टिम डेविड की तारीफ, कहा-वह पोलार्ड का प्रतिस्थापन हो सकते हैं

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में दन काफी ऐतिहासिक था, क्योंकि इस दिन आईपीएल का 1000वां मैच खेला गया और इस मैच में 400 से अधिक रन बने। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के 1000वें मैच में कप्तान रोहित शर्मा के जन्मदिन को विशेष बनाते हुए एक हाई स्कोरिंग मैच में 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को 6 विकेट से हरा दिया। मैच के अंतिम ओवर में टिम डेविड ने लगातार तीन छक्के लगाकर मुंबई को शानदार जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर के प्रदर्शन की सराहना करते हुए, भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि टिम डेविड आखिरकार कीरोन पोलार्ड के संभावित प्रतिस्थापन के रूप में सामने आ रहे हैं जिसकी उम्मीद मुंबई इंडियंस कर रही थी। स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट लाइव में मांजरेकर ने कहा, टिम डेविड द्वारा दिखाया गया संयम अविश्वसनीय था, उन्हें कीरोन पोलार्ड के संभावित प्रतिस्थापन के रूप में देखा गया था और उन्होंने इसे साबित कर दिया। मैच जीतने वाला प्रभाव और गेंदों को रनों में बदलना उन्हें बाकी की तुलना में बेहतर बनाता है। डेविड से पहले, राजस्थान के लिए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपना पहला आईपीएल शतक लगाया। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह का मानना है कि इस शतक ने प्रतिभाशाली बाएं हाथ के बल्लेबाज जायसवाल के लिए कई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चमक बिखेरेगा यशस्वी, हो गई बड़ी भविष्यवाणी

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने बड़ी भविष्यवाणी करते हुए कहा कि यशस्वी जायसवाल बहुत तेजी से सीखते हैं और उनमें इंडियन प्रीमियर लीग की उनकी फ्रेंचाइजी की तरफ से ही नहीं बल्कि भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी चमक बिखेरने की क्षमता है। इक्कीस वर्षीय जायसवाल ने आईपीएल के वर्तमान सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 47.5 की औसत से 428 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। संगकारा ने राजस्थान रॉयल्स की मुंबई इंडियंस के हाथों छह विकेट से हार के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' वह बेहद प्रतिभाशाली ही नहीं बल्कि कड़ी मेहनत करने वाला खिलाड़ी है। वह

तैयारियों में काफी समय लगाता है और नेट्स पर काफी समय बिताता है।' उन्होंने कहा,'' उसने तीन से चार साल हमारे साथ बिताए हैं और इससे पता चलता है कि वह अपने काम के प्रति काफी एकाग्र चित्त है और उसके प्रदर्शन से भी इसका पता चलता है।' जायसवाल ने मुंबई के खिलाफ मैच में 62 गेंदों पर 124 रन बनाए जिसमें 16 चौके और आठ छक्के शामिल हैं। संगकारा ने कहा,'' उसने बेहतरीन बल्लेबाजी की। वह लगभग पूरी पारी के दौरान बल्लेबाजी करता रहा। उसे केवल हमारे साथ ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अभी लंबा सफर तय करना है। उसे राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए लगातार रन बनाते रहने होंगे।' जायसवाल की शानदार पारी से राजस्थान रॉयल्स ने सात विकेट पर 212 रन बनाए लेकिन मुंबई ने टिम डेविड की 14 गेंदों पर नाबाद 45 रन की पारी से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर ने जेसन होल्डर पर लगातार तीन छक्के जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि वह टीम को इस तरह से जीत दिलाने के लिए आतुर थे। डेविड ने कहा,'' मैं टीम को इस तरह से जीत दिलाने के लिए आतुर था इसलिए, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। टीम बेहद रोमांचित है और सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। मैं अपने लिए मौके के इंतजार में था और मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैंने इसका पूरा फायदा उठाया।' उन्होंने कहा,'' पिछले साल आईपीएल में मेरा पहला अनुभव था और मैं अपना नाम बनाने और टीम में जगह पक्की करने के लिए आतुर था। लेकिन अब मैं जब भी मुंबई इंडियंस की शर्ट पहनता हूं तो उसे जीत दिलाने की कोशिश करता हूं।'

टिम डेविड ने जड़े लगातार 3 छक्के, मुंबई ने दर्ज की धमाकेदार जीत

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के42वें मैच मुंबई इंडियंस ने टिम डेविड के आखिरी ओवर में लगातार 3 छक्के के दम पर राजस्थान रॉयल्स को 6 विकेट से हरा दिया। मुंबई को आखिरी ओवर में जीत के लिए 17 रन चाहिए थे, लेकिन डेविड ने शुरुआती 3 गेंदों में ही जीत दिला दी। डेविड ने 14 गेंदों में नाबाद 45 रन बनाए, जिसमें 5 छक्के और 2 चौके रहे। डेविड के अलावा सूर्यकुमार यादव ने 29 गेंदों में 55 रन बनाए, जिसमें 8 चौके व 2 छक्के शामिल रहे। साथ ही तिलक वर्मा ने 21 गेंदों में 29 रनों की पारी खेली। कैमरन ग्रीन ने 26 गेंदों में 44, ईशान किशन ने 23 गेंदों में 28 तो कप्तान रोहित शर्मा ने 3 रनों का योगदान दिया। मुंबई की यह 8 मैचों में चौथी जीत रही। वह अब अंक तालिका में 7वें स्थान पर आ चुकी है। वहीं राजस्थान को 9 मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा। राजस्थान तीसरे स्थान पर काबिज है।

इस मैच में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, यशस्वी जायसवाल की शतकीय पारी के बदौलत राजस्थान ने 213 रनों का लक्ष्य रखा है। राजस्थान के लिए ओपनिंग करने आए जायसवाल ने 62 गेंदों में 16 चौके और 8 छक्कों की मदद से 124 रन बनाए। जायसवाल के अलावा राजस्थान का ओर कोई भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाया। जोस बटलर 18 रन और कप्तान संजू सैमसन 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद देवदत्त पाडिक्कल 2, जेसन होल्डर 11, शिमरोन हेटमायर 8 और ध्रुव जुरे 2 रन बनाकर चलते बने। अंत में रविचंद्रन अश्विन ने नाबाद 7 रनों की पारी खेली।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

मुंबई इंडियंस (प्लेइंग इलेवन): रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन (2), कैमरन ग्रीन, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, टिम डेविड, जोफ्रा आर्चर, पीयूष

चावला, कुमार कार्तिकेय, रिले मेरेडिथ, अरशद खान

राजस्थान रॉयल्स (प्लेइंग इलेवन): यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर, संजू सैमसन (2/8), देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमेयर, रविचंद्रन अश्विन, जेसन होल्डर, ट्रेंट बोल्ट, संदीप शर्मा, युजवेंद्र चहल

खिलाड़ियों के मसले पर सम्मान और गरिमा से निपटने वाली व्यवस्था बनायें : खिलाड़ियों का आयोग

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शीर्ष पहलवानों के धरने के बीच भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ियों के आयोग ने सुझाव दिया है कि आईओए को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिये जिसमें खिलाड़ियों से जुड़े मसलों से सम्मान और गरिमा के साथ निपटा जाये।

भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ियों के आयोग की शनिवार को हुई बैठक में पहलवानों के धरने पर बात की गई। एक सूत्र ने बताया ,'' बैठक में भाग लेने वाले दस में से छह सदस्यों ने अपने सुझाव आईओए को भेज दिये हैं। आयोग का मानना है कि आईओए के सामने खिलाड़ियों की आवाज उठाने में उसे और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। इसके साथ ही ऐसी व्यवस्था बनानी होगी कि खिलाड़ियों से जुड़े मसलों से सम्मान और गरिमा के साथ निपटा जाये।' समझा जाता है कि एथलीट आयोग की अध्यक्ष और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज एम सी मैरीकोम ने बैठक में भाग नहीं लिया। वह पहलवानों द्वारा लगाये गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिये आईओए द्वारा 20 जनवरी को गठित सात सदस्यीय समिति की प्रमुख भी हैं। समिति ने अभी अपनी रिपोर्ट जमा नहीं की है। वह सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न और धमकाने के आरोपों की जांच कर रही खेल मंत्रालय की समिति में भी है जिसने अपनी रिपोर्ट दे दी है। एथलीट आयोग में मैरीकोम के अलावा अचंत शरत कमल, गगन नारंग, मीराबाई चानू, पी वी सिंधु, शिवा केशवन, बजरंग लाल, भवानी देवी, रानी रामपाल और ओ पी करहाना हैं। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा और भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान भी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और एशियाई ओलंपिक परिषद के सदस्य के तौर पर आयोग में हैं।

नेपाल में क्रिकेट का क्रेज, Final देखने के लिए बारिश में भी स्टेडियम में बैठे रहे दर्शक

काठमांडू। नेपाल में लोगों द्वारा क्रिकेट के प्रति क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। आए दिन हमें कई ऐसे मैच यहां देखने को मिले, जहां फैंस पेड़ों पर बैठकर अपनी टीम को सपोर्ट कर रहे हैं। फिलहाल एसीसी प्रीमियर लीग के फाइनल मैच में नेपाल की टीम संयुक्त अरब अमीरात के बीच है, जहां बारिश ने खलल डाल दिया। नेपाल ने मैच में पूरी पकड़ बनाई हुई थी कि अचानक आई बारिश ने फैंस का मजा खराब कर दिया।

नेपाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। जवाब में अमीरात की टीम उनके गेंदबाजों के आगे घुटने टेकते नजर आई। नेपाल ने 27.3 ओवर में अमीरात के 106 रनों पर 9 विकेट गिरा दिए थे।

लेकिन अचानक आई तेज बारिश की वजह से मैच को रोकना पड़ा। हजारों दर्शक छाता खोलकर स्टेडियम में ही बैठ गए। दर्शक खास बात यह रही कि बारिश के आने के बावजूद मैच देखने आए अब बारिश के हटने का इंतजार स्टेडियम में बैठकर ही कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि कैसे नेपाल में क्रिकेट के प्रति लोगों की दिवानगी बढ़ती जा रही है। बता दें कि एसीसी प्रीमियर लीग अपने शुरुआती मैचों के कारण ही चर्चा में आ गई थी, जहां कुछ दर्शकों को पेड़ पर चढ़ते हुए मैच देखते हुए पाया गया। फिलहाल, नेपाल टीम अपने प्रशंसकों को इस लीग में खुश करती नजर आई है। वहीं मैच शुरू होता है तो वह खिताब जीतने की भी दावेदार है। आईपीएल में नाम कमा चुके संदीप लामिछाने ने 7 ओवर में 2 विकेट अपने नाम किए हैं।

टाईब्रेक जीतकर चीन के डिंग लीरेन बने 17वें विश्व शतरंज चैम्पियन

अस्ताना, कजाकिस्तान। दुनिया को अब विश्व शतरंज चैंपियन मिल गया है। चीन के डिंग लीरेन ने अपने प्रतिद्वंदी रूस के यान नेपोम्नियाशी को विश्व शतरंज चैंपियनशिप के टाईब्रेक में 2.5-1.5 से पराजित करते हुए विश्व खिताब अपने नाम कर लिया। दोनों के बीच टाईब्रेक के तौर पर चार रैपिड मुकाबले खेले गए, जिसमें पहले तीन मुकाबले ड्रॉ रहने के बाद सबकी नजरें चौथे रैपिड पर थी जिसमें नेपोम्नियाशी सफेद मोहरों से खेल रहे थे। खेल की 45वीं चाल तक खेल एक और ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था तभी डिंग ने नेपो के लिए एक जाल बिछाया और अगली दो चाल में लगातार दो गलत चालों के चलते नेपो की स्थिति खराब हो गयी और 68 चालों तक चले मुकाबले के बाद उन्होंने हार स्वीकार कर ली और इस तरह डिंग दुनिया के 17वें विश्व

शतरंज चैम्पियन बन गए। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 18 करोड़ रुपेय है जिसमें विजेता डिंग को करीब 11 करोड़ तो हारने वाले नेपो को 6 करोड़ की राशि मिलेगी।

दबाव से निपटना लेजेंड पीआर श्रीजेश से सीख रहा हूं :गोलकीपर पवन मलिक

बेंगलुरु। हरियाणा के हिसार में कृषि पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाले पवन मलिक ने जूनियर स्तर से ही प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ हॉकी में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। इस साल की शुरुआत में अपनी शादी के लिए कृष्ण पाठक के व्यक्तिगत अवकाश के साथ, पवन ने विश्व चैंपियन जर्मनी और शक्तिशाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मार्च में एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों के राउरकेला चरण के दौरान सीनियर पक्ष के लिए एक बड़ी भूमिका निभाई। यह एक बड़ा मौका था और 21 वर्षीय पवन उम्मीदों पर खरे उतरे।

पवन ने कहा, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना थोड़ा कठिन था। वे जो गति और आक्रमण लाते हैं, वह मेरे जूनियर दिनों में आमतौर पर मेरे द्वारा उपयोग किए जाने वाले से बहुत अलग थे। लेकिन टीम ने वास्तव में मेरा समर्थन किया और शिविर में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ वक्त गुजारने से काफी मदद मिली। पवन जो 2018 में ब्यूनस आयर्स में युवा ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, ने कहा,यह अच्छा लगता है जब लोग मेरे प्रदर्शन को पहचानते हैं लेकिन अभी भी बहुत कुछ है जिस पर मुझे काम करने की

आवश्यकता है। पीआर श्रीजेश जैसे दिग्गज के साथ काम करना, जिनके पास लगभग दो दशकों का अनुभव है, ने मुझे यह समझने में मदद की है कि बड़े मैचों में दबाव को कैसे संभालना है। प्रो लीग में उनके साथ खेलना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा था और मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहता था। वर्तमान में शिविर में चार अन्य गोलकीपर प्रशांत कुमार चौहान, सूरज करकेरा, कृष्ण पाठक और श्रीजेश के साथ, पवन को पता है कि भारतीय टीम में जगह पाना आसान उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा,मैं इस समय भारत के लिए खेलने का मौका पाने के बारे में बहुत चिंतित नहीं हूं। मुझे पता है कि जब समय आएगा, मैं इसे हासिल करूंगा, लेकिन तब तक मुझे अपने कौशल को सुधारने और अपने खेल में सर्वश्रेष्ठ होने की जरूरत है। सीनियर कैंप में मुझे हर दिन बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

भारतीय पुरुष हॉकी कोर ग्रुप वर्तमान में साई, बेंगलुरु में है, जहां वे मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जिन्होंने पिछले सप्ताह पदभार संभाला था।

टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण की तैयारी कर रही है और अभी तक खेले गए 8 मैचों में 5 सीधे जीत और 2 शूटआउट जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। चल रहे शिविर को लेकर पवन ने कहा, अब तक यह एक रोमांचक और मजेदार शिविर रहा है, हममें से हर एक ने हर सत्र में एक-दूसरे को आगे बढ़ाया है। हमने शिविर के पहले कुछ हफ्तों में फिटनेस, सहनशक्ति, कसरत और फुर्ती पर बहुत ध्यान केंद्रित किया है।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 02 मई 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

न्यूज फ्लैश

दिनभर चला बूंदाबांदी का दौर

सोनीपत: दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते सोमवार को दिन भर जिले के अधिकतर क्षेत्रों में बूंदाबांदी का दौर चलता रहा। बरसात की वजह से जिले की मंडियों में जमा करीब 1 लाख मीट्रिक टन गेंहू पर संकट मंडराने लगा है। मौसम विभाग की माने तो अगले तीन दिनों तक पश्चिमी विक्षोभ का असर जारी रहेगा, ऐसे में कच्ची मंडियों में खुले आसमान में नीचे पड़े गेहूं के खराब होने का खतरा मंडराने लगा है। हालांकि सोनीपत मंडी में उठान के लिए बचा गेहूं शैड व तिरपाल से ढका नजर आया। बता दें कि मौसम विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा समय में तीन-तीन चक्रवातीय परिस्थितियां बनी हुई है। एक चक्रवात जहां पंजाब के ऊपर बना हुआ है। वहीं दिल्ली और तेलंगाना पर भी चक्रवातीय परिस्थितियां बनी हुई है। तीनों चक्रवात एक टर्फ रेखा उत्तर से दक्षिण तक बने हुए है। ऐसे में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी उत्तर भारत में पहुंच रही है। जिसके प्रभाव से दिल्ली-एनसीआर सहित पूरे हरियाणा में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुए है। इस दौरान अगले तीन दिनों तक गरज के साथ कुछ एक स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। बदले मौसम में किसानों ने राहत की सांस ली है, तो मंडियों में उठान न होने के चलते बचे गेहूं के खराब होने का खतरा बनने लगा है। जिले में रबी खरीद सीजन अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। जिले में करीब 3 लाख 34 हजार 197 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। उठान प्रक्रिया कई मंडियों में खासकर कच्ची मंडियों में अपेक्षाकृत काफी धीमी है। रिपोर्ट के अनुसार जिले में विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों पर अब भी लगभग 1 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उठान होना बाकी है। सोमवार को हुई बरसात के कारण कई मंडियों में गेहूं भीग गया। हालांकि गेहूं को बरसात से बचाने के लिए तिरपाल मंडियों में ढके गए थे। अभी बरसात का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है, ऐसे में मंडियों में जमा गेहूं पर खतरा मंडराने लगा है।

गला दबाकर की थी किशोरी की हत्या

सोनीपत: मुरथल थाना क्षेत्र के गांव असदपुर-नांदनौर में मकान की छत पर 13 वर्षीय किशोरी का शव संदिग्ध हालात में मिला। किशोरी सातवीं कक्षा की छात्रा थी। छात्रा के परिजन मेहनत मजदूरी करने गए थे। जब उनकी मां वापस लौटी तो बेटी छत पर बेसुध मिली। उन्होंने मामले से पति को अवगत कराया। अस्पताल में लेकर गए तो बालिका को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम में किशोरी की गला दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ निवासी गंगाराम का परिवार मुरथल के गांव असदपुर में किराए पर रहता है।

2 दिन ओले-बारिश का अलर्ट

केदारनाथ-बद्रीनाथ में बर्फबारी के बाद चारधाम यात्रा रोकी, राजस्थान में 12 साल बाद मई में ठंड

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर

राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में भारी बारिश का दौर बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, उत्तर पश्चिम में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में मौसम 3 मई तक ऐसा ही रहेगा, उसके बाद 4 मई से बदलाव की संभावना है। 24 घंटों में ठिठुरन भी बढ़ी है। एमपी के भोपाल में न्यूनतम तापमान दोपहर 2.30 बजे 18.6 डिग्री तक चला गया। राजस्थान में भी ऐसा ही हाल रहा। 9 शहरों का तापमान 30 डिग्री से नीचे रहा। राज्य के जयपुर, सीकर, नागौर, अलवर, बारां, बीकानेर समेत ज्यादातर इलाकों में बारिश और ओले गिरे। दिल्ली, पंजाब, बिहार, यूपी में भी तापमान में 3 से 5 डिग्री तक गिरावट देखी गई।

केदारनाथ धाम में बर्फबारी, राज्य में 4 दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी: इधर, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में भारी बारिश और बर्फबारी के कारण चार धाम यात्रा को श्रीनगर में रोक दिया गया है। अगले चार दिनों तक राज्य में खराब मौसम को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। इन चार दिनों में ओलावृष्टि, आंधी-तूफान और 3500 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी होने की संभावना है। इसके चलते चार धाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 3 मई तक बंद कर दिया गया है। केदारनाथ धाम में पिछले 13 दिनों से रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है। धाम में हिमपात का सिलसिला 18 अप्रैल से शुरू हुआ था। मौसम विभाग के मुताबिक, देहरादून, पुणे, दिल्ली, भोपाल, जबलपुर, कोहिमा, भीलवाड़ा, जालंधर,

बरतें सावधानी

- केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में भारी बारिश और बर्फबारी के कारण चार धाम यात्रा को श्रीनगर में रोक दिया

बरेली, गया, और हरदोई में 2 और 3 मई को न्यूनतम तापमान 20 या उससे कम रहने का अनुमान है।

अगले तीन दिन बारिश का अलर्ट: मौसम विभाग दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने बताया कि पूरे भारत में तापमान सामान्य से कम है। दिल्ली एनसीआर हरियाणा-पंजाब में तापमान सामान्य से 9-10 डिग्री सेल्सियस तक कम है। आने वाले 2 दिन तक तापमान ऐसा ही रहेगा, उसके बाद 3-5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले 3 दिनों में पूरे उत्तर पश्चिमी भारत में बारिश होती रहेगी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड के लिए हमने तेज बारिश का अलर्ट दे रखा है। हरियाणा और पंजाब के लिए भी हमने अलर्ट दे रखा है। दिल्ली में भी अगले 3 दिनों में बारिश होती रहेगी, इसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

एमपी में आखिर इतना ठंडा मौसम कैसे हो गया: मध्यप्रदेश में मौसम केंद्र के डायरेक्टर आर. बालासुब्रह्मण्यन ने बताया कि जमीन से 6 किमी ऊपर तक नमी ही नमी है, फ्रीजिंग लेवल 4 किमी ऊपर है। इसलिए राज्य में कई जगह ओले गिरे हैं और पारा लुढ़का है।

राजस्थान में इतनी बारिश और नमी की बड़ी वजह क्या है: राज्य के आस-पास दो सकुर्लेशन सिस्टम सक्रिय हैं। पहला पाकिस्तान से सटे इलाकों में है, जो पश्चिमी राजस्थान में बारिश दे रहा है।

कोरोना की रफ्तार हुई धीमी!

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

देशभर में कोरोना संक्रमण की रफ्तार कम होने लगी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में 4,282 नए मामले दर्ज किए गए। इसी के साथ देश में एक्टिव केसों की संख्या घटकर 47,246 हो गई है। राहत की बात यह रही कि कल के मुकाबले कोरोना के मामलों में गिरावट आई है। रविवार यानी 30 अप्रैल को कोरोना के 5,874 केस सामने आए थे और एक्टिव केस 49,015 था।

इतने मरीजों की हुई मौत: स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों में कहा गया है कि बीते 24 घंटे में 14 मरीजों की मौत हुई है, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,547 हो गई है। इसमें 6 मौतें केरल में हुई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में डेली पॉजिटिविटी रेट 4.92 प्रतिशत और वीकली पॉजिटिविटी रेट 4.00 प्रतिशत है। देश में अब तक कोरोना वायरस के 4.49 करोड़ मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जो कुल मामलों का 0.15 प्रतिशत है।

राहत की सांस ली

- बीते 24 घंटे में 4,282 नए मामले दर्ज किए गए। इसी के साथ देश में एक्टिव केसों की संख्या घटकर 47,246 हो गई

ठीक हुए मरीज का रिकवरी रेट: भारत में मरीजों के ठीक होने की रिकवरी रेट 98.67 प्रतिशत है। एक्टिव मामले अब कुल संक्रमणों का 0.11 प्रतिशत हैं। बीमारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 4,43,70,878 हो गई, जबकि मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत दर्ज की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.66 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं।

फर्जी दस्तावेज प्रकरण में आसाराम को जमानत

टीम एक्शन इंडिया/जोधपुर: यौन शोषण के दोष में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम को सोमवार को फर्जी दस्तावेज प्रकरण में राजस्थान हाई कोर्ट ने जमानत दे दी। मगर उम्र कैद की सजा काट रहा आसाराम जेल से बाहर नहीं आ पाएगा। न्यायमूर्ति कुलदीप माथुर ने इस मामले में सुनवाई करते हुए जमानत के आदेश दिए। अधिवक्ता नीलकमल बोहरा व गोकुलेश बोहरा ने आसाराम का पक्ष रखा था।

क्या था मामला: उल्लेखनीय है कि साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट में आसाराम की ओर से जोधपुर सेंट्रल जेल की डिस्पेंसरी का मेडिकल

प्रमाणपत्र पेश किया था, जिसमें आसाराम की कई गंभीर बीमारियों का जिक्र किया गया था। इस सर्टिफिकेट की सुप्रीम कोर्ट ने जांच करवाई तो मामला फर्जी निकला। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जोधपुर के रातानाडा थाने में आसाराम के पैरोकार रवि राय पर एफआईआर दर्ज हुई और मामले में आसाराम को भी आरोपी बनाया गया।

योजनाओं को लेकर पीएम से मिले सीएम धामी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली/देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम का प्रसाद, गंगा तुलसी, गंगोत्री, यमुनोत्री, अलकनंदा और मंदाकिनी का गंगाजल और रुद्राक्ष की माला भी भेंट की। साथ ही उत्तराखंड के विकास में उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया । करीब डेढ़ घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने राज्य के विकास से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर

प्रधानमंत्री मोदी का मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आ रहे हैं। जोशीमठ में केंद्र सरकार के सहयोग से राहत कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी से माह अक्टूबर/नवम्बर 2023 में राज्य में प्रस्तावित इन्वेस्टर समिट के उद्घाटन के लिए समय दिए जाने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री

विचार-विमर्श

- गंगा तुलसी, गंगोत्री, यमुनोत्री, अलकनंदा और मंदाकिनी का गंगाजल और रुद्राक्ष की माला भी भेंट की

ने मानसखंड के अन्तर्गत जागेश्वर धाम, आदि कैलाश/ पार्वती सरोवर/ ओम पर्वत के दर्शन, लोहाघाट में मायावाती आश्रम की यात्रा के साथ ही सीमान्त जनपद पिथौरागढ़ में जनसम्बोधन और विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास के लिए आने का भी प्रधानमंत्री से आग्रह किया।

खड़गे के बेटे ने पीएम मोदी को कहा नालायक

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के कैंपेन में नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। 27 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीला सांप बताया था। खड़गे के बयान के 4 दिन बाद अब उनके बेटे और कांग्रेस विधायक प्रियांक खड़गे ने प्रधानमंत्री को नालायक कहा है। प्रियांक खड़गे ने सोमवार कलबुर्गी में बंजारा समुदाय के कार्यक्रम में कहा- मोदी प्रधानमंत्री हैं, आपकी आलोचना तो होगी ही। इसका मतलब यह नहीं कि आप रोते हुए जनता के पास जाएं। दुर्भाग्य से, पीएम हर बार विक्टिम कार्ड खेलते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद में रैली को संबोधित किया।

बेमौसम बारिश रबी धान भीगा, किसानों को नुकसान

टीम एक्शन इंडिया/धमतरी

ग्रीष्म काल में हो रही बेमौसम बारिश ने किसानों के खेतों में तैयार रबी धान फसल को भिगोकर भारी नुकसान पहुंचाया है। आंधी तूफान व तेज वर्षा से खड़ी फसल जमीन पर गिर गई। बालियों से अंकुरण निकल रहा है। कटाई-मिंजाई कार्य पूरी तरह से बंद है। पौधों से धान की बालियां जमीन पर झड़ रहा है। बारिश से धान की बर्बादी को देखकर किसान सिर पीट रहे हैं। अब किसानों को मौसम खुलने का इंतजार है। 30 अप्रैल की रात

अंचल में गरज-चमक के साथ रूक-रूककर भारी वर्षा हुई है। बारिश से शहर की सड़कों व गलियों में पानी भर गया। ग्रामीण अंचलों में भी बारिश होने से सड़क किनारे व गड्ढों में पानी भरा हुआ है।वहीं एक मई की सुबह मौसम खराब रहा। आसमान में बादल वाला मौसम बना रहा। भू अभिलेख शाखा से मिली जानकारी के अनुसार धमतरी तहसील में 25.2 मिमी, कुरूद में 12 मिमी, भखारा में 25.3 मिमी, मगरलोड में 32.5 मिमी, नगरी में 4.2 मिमी, कुकरेल में 29 मिमी वर्षा हुई है। सबसे अधिक वर्षा जिले के मगरलोड तहसील में दर्ज की गई है।

कांगड़ा में 38 नए लोग कोरोना संक्रमित

धर्मशाला। कांगड़ा जिला में कोविड के मामलों में हो रही वृद्धि के बीच सोमवार को कोरोना के 38 नए मामले सामने आए हैं जबकि राहत की खबर यह है कि 64 कोरोना संक्रमितों ने कोविड को मात दी है। जिला में आज 481 सैंपल लिए गए जिनमें 38 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जबकि आज 64 कोविड संक्रमित स्वस्थ हुए हैं। जिससे जिला में सक्रिय कोरोना संक्रमितों की संख्या 204 पंहुच गई है। वहीं अगर बात जिला में कोरोना संक्रमितों की करें तो अब तक 73027 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं।

वतन वापसी — अब तक 2300 से अधिक भारतीयों को ऑपरेशन कावेरी के तहत भारत लाया जा चुका है

ऑपरेशन कावेरी: वतन वापसी पर महिला की आंखें हुई नम

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

गृहयुद्ध क्षेत्र सूडान से लगातार भारतीयों को रेस्क्यू किया जा रहा है। अब तक 2300 से अधिक भारतीयों को ऑपरेशन कावेरी के तहत भारत लाया जा चुका है। भारतीय वायु सेना अपने देशवासियों को बचाने की पूरी कोशिश कर रही है।

ऑपरेशन कावेरी के जरिए 102 वर्ष की बुजुर्ग ने की वतन वापसी: बताया जा रहा है कि अब तक भारतीय वायुसेना के विमानों में 1400 से अधिक भारतीयों का रेस्क्यू किया जा चुका है। वायुसेना ने बताया, "पिछले कुछ दिनों में भारतीय वायुसेना के

विमानों में लगभग 1,400 भारतीयों को निकाला गया है, दो C-130J विमानों ने 260 कर्मियों को निकाला है, जिनमें 90 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग और 102 वर्ष से अधिक आयु के एक बुजुर्ग शामिल हैं।"

सम्मान के साथ आए वरिष्ठ नागरिक: सूडान में फंसे भारतीयों को सम्मानपूर्वक और सुरक्षित वापस भारत लाया जा रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने अपने ट्विटर हैंडर पर एक तस्वीर शेयर करते हुए ट्वीट किया, "सूडान से निकाले जा रहे हमारे वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान।" ट्वीट की गई फोटो में सेना के जवान वरिष्ठ नागरिकों को व्हीलचेयर पर ले जाते नजर आ रहे हैं। सूडान की सेना और अर्ध-सैनिक बलों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच अब तक 3000 से अधिक लोगों को सुरक्षित सूडान से बाहर निकाल लिया है।